डाक पंजीयन क्र. L/ RNP/म.प्र./ मन्दसौर/122/ 2024- 26

ई-पेपर www.guruexpress.live

बात आपकी, शब्द हमारे

गुरु एक्सप्रेस

सुबह का अखबार

संपादक – आशुतोष नवाल

वर्ष 18 | अंक 316 | पृष्ठ 4 | मन्दसौर | रविवार 01 सितम्बर 2024 | मूल्य 2 रुपया

आवश्यकता है

दैनिक गुरु एक्सप्रेस

आफिस में कार्य करने हेतु युवक की आवश्यकता है।

वेतन योग्यता अनुसार

संपर्क

संपर्क समय- शाम 4 से 6 बजे तक

कार्यालय दैनिक गुरु एक्सप्रेस

9425105928. 8319964648

बेसमेंट हो या पॉलीथिन...

नीमच में होती कार्रवाई, मंदसौर में जुगलबंदी

पॉलीथिन पर प्रतिबंध, फिर भी बड़ी मात्रा में खप रहा प्लास्टिक

प्रतिदिन होने वाली पॉलीथिन का उपयोग...

सब्जी मंडी	-	50 किलो
फल व सब्जी के ठेले	-	40 किलो
फुटकर सब्जी विक्रेता	-	35 किलो
किराना दुकानों पर	-	40 किलो
कपड़ा दुकानों	-	30 किलो

(नोट: आंकड़े संबंधित पॉलीथिन व्यापारियों से खरीदी के अनुसार है)

मंदसौर, 31 अगस्त गुरु एक्सप्रेस। बेसमेंट हो या पॉलीथिन, नीमच में दोनों ही मामलों में कार्रवाई हुई। बेसमेंट को लेकर जहां नीमच में बेसमेंट सील कर दिए गए। वहीं मंदसौर में जांच के दौरान 71 बेसमेंट मिले। इसमें सिर्फ बारह के पास अनुमति थी। अधिकांश बेसमेंट में व्यसायिक उपयोग होता मिला। इसके बाद भी अभी तक कार्रवाई नहीं हो पाई। इधर पॉलीथिन पर प्रतिबंध को लेकर मंदसौर में नपा लगातार औपचारिकता निभाती आ रही है। अब यह काम भी बंद कर दिया है।

बता दे कि सिंगल यूज प्लास्टिक अपशिष्ट प्रबंधन (संशोधन) नियम 2021 के माध्यम से प्लास्टिक एवं थर्माकोल से बने सिंगल यूज प्लास्टिक की वस्तुएं भी तय की गई है। जिन पर पिछले साल 1 जुलाई से प्रतिबंध लगाया जा चुका है। इसके बावजूद भी शहर में प्रतिदिन पॉलीथिन की पांच क्विंटल की खपत रोजाना हो रही है। इधर नीमच की बात करें तो नीमच में नगरपालिका ने इस मामले को गंभीरता से लिया है। यहां कपड़े की थैलियों के लिए मशीन लगाई जा चुकी है।

पॉलीथिन से होने वाले प्रदूषण को रोकने के लिए प्लास्टिक वेस्ट (मैनेजमेंट एंड हैंडलिंग) रूल्स 2011 को लागू हुए लंबा समय हो गया हैं। लेकिन, जिला प्रशासन, नगर पालिका शहर में इस नियम को लागू नहीं करा सका है। नियमों के तहत 40 माइक्रॉन से कम मोटाई के पॉलीथिन बैग की बिक्री पर पूरी तरह रोक लगी हुई है। इसके बाद भी इन पॉलीथिन का उपयोग हो रहा है। शहर में सब्जी और फल की दुकानें पॉलीथिन का सबसे बड़ा स्रोत हैं। सब्जी मंडी के अलावा ठेलों पर सब्जी-फल बेचने वाले भी पॉलीथिन का उपयोग करते हैं। लंबे समय से नपा द्वारा शहर में पॉलीथिन को लेकर कोई कार्रवाई नहीं की है, इसके कारण पॉलीथिन फिर से बाजार में बिकने लगी है। चाहे सब्जी मार्केट हो या फिर किराने की दुकानें सभी स्थानों पर पॉलिथीन का उपयोग होने लगा है। जबकि, नपा द्वारा इसके पहले पॉलिथीन को लेकर जागरूकता अभियान चलाया जा चुका है। वहीं समझाइश के बाद भी उपयोग कर रहे दुकानदारों के चालान भी बनाए गए। फिर भी बिक्री लगातार बढ़ रही है।

नीमच में लगी मशीन...

नीमच नगर पालिका ने क्लॉथ बेग वैंडिंग मशीन लग चुकी है। इससे प्रतिबंधित सिंगल यूज प्लास्टिक के विकल्प के रूप में नागरिकों को कपड़े का बैग आसानी से उपलब्ध हो रहा है। इस मशीन से दुकानदारों और नागरिकों को आसानी से कपड़े के बैग 5 रुपए में मिल रहे है।

यह चींजे भी है प्रतिबंधित...

बैलून में उपयोग होने वाली प्लास्टिक स्टिक, प्लास्टिक झंडे, कैंडी स्टिक, आईस्क्रीम स्टिक, सजावट में उपयोग होने वाले थर्मोकोल, प्लस्टिक, थर्माकोल प्लेट्स, कप, गिलास, चम्मच, चाकू, स्ट्रा, ट्रे, मिठाई बॉक्स, निमंत्रण पत्र, सिगरेट पैकेट को कवर करने वाली पैकिंग फिल्म, प्लास्टिक स्टीकर्स।

प्रतिदिन 5 क्विंटल पॉलीथिन का कचरा...

नपा के अधिकारियों ने आदेशों के पालन में कोई रुचि नहीं ली। बाजार से घर ले जाने के बाद पॉलीथिन को फेंक दिया जाता है। इससे पर्यावरण प्रदूषण के साथ ही पॉलीथिन पशुओं के पेट तक पहुंच जाती है जो बेजुबान पशुओं की मौत का कारण बनती है। बाजार में विचरण करने वाली अधिकांश गायों की मौत प्लास्टिक की थैलियां खाने से ही हो रही है। शहर में प्रतिदिन 5 क्विंटल पॉलीथिन का कचरा निकलता है। इस कचरे को एकत्र कर ट्रेंचिंग ग्राउंड पर ले जाकर डाला जा रहा है। इसके अलावा भी नगर में पन्नियों का कचरा रह जाता है।

सजा का है प्रावधान...

पर्यावरण संरक्षण अधिनियम 1986 की धारा-19 के तहत पॉलीथिन का प्रयोग करने, निर्माण करने अथवा भंडारण करने की पुष्टिहोने पर ऐसे लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। सजा के साथ जुर्माना भी लगाया जा सकता है। आज तक इस नियम के पालन के लिए अधिकारियों के स्तर से पहल नहीं की गई। स्थिति यह है कि पूरे शहर में कहीं भी पॉलीथिन प्रतिबंधित से संबंधित नोटिस बोर्ड भी नहीं लगाए गए।

तीन थाना क्षेत्र, तीन चोरियां, दस गिरफ्तार, बारह की तलाश

महाविद्यालय, गोदाम और मकान में चोरी का पर्दाफाश, इस बार चोरी का माल खरीदने वाले भी बने आरोपी

मंदसौर, 31 अगस्त गुरु एक्सप्रेस। पुलिस कप्तान श्री अभिषेक आनंद ने शनिवार को प्रेस से चर्चा करते हुए पुलिस द्वारा सुलझाए गए तीन मामलो की जानकारी दी। यह तीनो मामले तीन थाना क्षेत्रो के थे, जिनमें 10 आरोपियो को दबोच लिया गया। जबकि, 12 बदमाशो की तलाश की जा रही है। बड़ी बात यह है कि इस बार चोरी का माल खरीदने वाले भी आरोपी बने है। बता दें कि विगत दिनों पिपलिया मंडी थाना क्षेत्र के बालागुढ़ा में एक मकान और मंदसौर वायडी नगर थाना क्षेत्र में एक लहसुन के गोदाम में चोरी की वारदात हुई थी। इधर नई आबादी थाना क्षेत्र के उद्यानिकी महाविद्यालय में चना गायब होने के मामले में पुलिस ने मामला दर्ज किया था। पुलिस ने तीनों ही मामलों में खुलासा किया है। पुलिस ने चोरी के माल के साथ कुल दस आरोपियों को गिरफ्तार किया है। वहीं बारह की तलाश की जा रही है।

चोरी का माल खरीदने वाले भी लपेटे में आए...

पिपलिया मंडी थाना क्षेत्र के बालागुढ़ा में चोरों ने लाखों की चोरी का अंजाम दिया था। इस मामले में पुलिस ने दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। चोरों से 2 सोने की चूंड़ियां, 1 सोने का टीका, 20 सोने के मोती, एक जोड चांदी पायजब, दो कडे चांदी के पैर में पहनने के एवं नगदी 45 हजार रूपये एवं घटना में प्रयुक्त एक मोटर सायकल टीवीएस कंपनी की बिना नंबर की बरामद की है। वहीं छह बदमाशो की तलाश पुलिस को है। पुलिस कप्तान श्री आनंद ने बताया कि 31 अगस्त को बालागुडा में स्थित सुरजमल पोरवाल के घर पर बदमाशो ने चोरी की वारदात को अंजाम दिया। यहां उम्परी मंजिल पर बने तीन कमरों के ताले तोड़कर, अलमारी, दीवान तोड़कर लाखों के सोने, चांदी के जेवरात एवं नगदी अज्ञात बदमाश चोरी कर ले गये थे। मामले की पतारसी के लिए गठित टीम द्वारा घटनास्थल पर लगे ..... शेष पेज 4 पर

यहां चौकीदार ही निकला चोर..!

बीती 22 अगस्त को कृषि महाविध्यालय बादरी फार्म से 124 क्विंटल चने गायब होने की शिकायत नई आबादी थाने पर की गई। जांच पड़ताल कर संदेही आशीष पिता सत्यनारायण लोहार उम्र 35 साल निवासी जावद जिला नीमच हामु मैनपुरिया से पुछताछ की गई। आरोपी काफी शातीर प्रवृत्ति का होकर थाना जावद जिला नीमच का निगरानी बदमाश है। जिसके विरुद्ध चोरी के अपराध पंजीबद है। आरोपी से कड़ी पूछताछ पर उसने बताया कि मैं रात्रि में चोकीदारी कृषि महाविद्यालय में करता था। जहां पर मुझे पता चला की गोडाउन में शासकीय चने रखे हुए है। जिस पर मैं एवं मेरे साथी पंकज दमामी निवासी डिंगाव व भेरुसिंह निवासी चांगली से मिलकर चने को गोडाउन से गबन करने की योजना बनाई थी। जिस पर मेरे एवं मेरे साथी शाकीर पठान को बताकर उसके आटोरिक्शा का उपयोग करते थे। रेकी मेरे साथी लोकेश व दिलीप करते थे। जब कोई नहीं होता तो चने गोडाउन .... शेष पेज 4 पर

पिकअप में भरकर ले गए थे लहसून...

पुलिस कप्तान श्री अभिषेक आनंद ने अन्य मामले में बताया कि 30 अगस्त को पुष्पेन्द्र पिता राजेन्द्र खण्डेलवाल उम्र 38 साल निवासी नाकोडा नगर मंदसौर ने थाना वायडी नगर में शिकायत की। जिसमें बताया कि उसके लहसून गोडाउन इण्डस्ट्रीयल एरिया स्लेट पेन्सिल काम्पलेक्स इन्द्राकालोनी मंदसौर में 27 अगस्त की मध्यरात्रि में अज्ञात आरोपियो द्वारा गोडाउन की दीवार में छेद कर 25 कट्टे लहसून करीब 10 क्विंटल चुराकर ले गये। पुलिस ने कई सीसीटीवी कैमरों को खंगाला। मुखबीर सूचना के आधार पर चार संदिग्ध व्यक्तियों दशरथ पिता भीमा भिलाला उम्र 27 साल, रमेश पिता भीमा भिलाला उम्र 20 साल, कन्हैयालाल उर्फ काणा पिता भेरूलाल पायक जाति नाई उम्र 42 साल, फिदा उर्फ फिड हुसैन पिता अनवर दीपलिया जाति नियारगर उम्र 28 साल .... शेष पेज 4 पर

यमदूत बनकर सड़क पर दौड़ रहे ओवरलोड वाहन

नियमों की उड़ रही धज्जियां, फोरलेन पर पलटा वाहन

मंदसौर, 31 अगस्त गुरु एक्सप्रेस। शहर सहित अंचल में ओवरलोडिंग पर अंकुश नहीं लग रहा है। शहर की सड़को पर रोजाना ओवरलोड वाहन आते-जाते दिखाई देते हैं, लेकिन इन वाहनों पर न तो यातायात पुलिस और ना ही परिवहन विभाग द्वारा कार्रवाई की जा रही है। इससे यह ओवरलोड वाहन शहर की सड़को पर बेखौफ निकलते देखे जा सकते हैं। स्थिति यह है कि यातायात थाना हो या वायडी नगर थाना, कई थानों के सामने से ओवर लोड वाहन गुजर रहे हैं।

पलटा ओवरलोड वाहन...

शनिवार को नयाखेडा फोरलेन पर एक हादसा हुआ। यहां एक 407 वाहन फोरलेन पर पलट गया। इसके बाद पुलिस मौके पर पहुंची। हादसे में घायल चालक को अस्पताल पहुंचाया गया। इस तरह के कई हादसे अभी तक हो चुके हैं। इसके बाद भी सख्त कार्रवाई नहीं हो रही।

ऑटो पिकअप में ढोए जा रहे सरिए...

शहर में ऑटो, मैजिक, पिकअप वहन और छोटा हाथी पर लोहे के सरिए, एंगल, पाइप आदि ढोए जा रहे हैं। इससे न सिर्फ ट्रैफिक प्रभावित हो रहा है। बल्कि हादसे होने का भी खतरा बढ रहा है। कई बार ऐसे वाहनो के कारण दुर्घटनाएं भी हुई है। लेकिन, इसके बाद भी इस ओर ध्यान नहीं दिया जा रहा है।

केरल में आरएसएस की 3 दिनी बैठक शुरू

नया बीजेपी अध्यक्ष और 4 राज्यों में विधानसभा चुनाव पर हो रही चर्चा

पलक्कड़, 31 अगस्त गुरु एक्सप्रेस। केरल के पलक्कड़ में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) की 3 दिवसीय वार्षिक समन्वय बैठक शनिवार 31 अगस्त सुबह 9 बजे से शुरू हुई। मीटिंग में संघ प्रमुख मोहन भागवत, सहकार्यवाह दत्तात्रेय होसबोले समेत भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा और संगठन महासचिव बीएल संतोष शामिल हुए। रिपोर्ट्स के मुताबिक इस मीटिंग में नए भाजपा अध्यक्ष के नामों पर चर्चा हो सकती है। चार राज्यों के विधानसभा चुनाव की रणनीति पर भी बातचीत होने की संभावना है।

पहले दिन मीटिंग में वायनाड में आई लैंड स्लाइड में आरएसएस द्वारा पहुंचाई गई मदद के बारे में जानकारी दी गई। इसके अलावा आरएसएस की शाखाओं के विस्तार और सभी संगठनों के कामकाज की भी समीक्षा की गई। संगठनों के लिए अगले एक साल का लक्ष्य भी तय किया जा रहा है।

32 संगठन के 300 कार्यकर्ता मौजूद...

इस समन्वय बैठक में सरसंघचालक मोहन भागवत और सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबोले सहित संघ के सभी छह सह सरकार्यवाह और अखिल भारतीय पदाधिकारी उपस्थित हैं। बैठक में राष्ट्र सेविका समिति की प्रमुख संचालिका शान्तका, प्रमुख कार्यवाहिका सीता अन्नदानम, वनवासी कल्याण आश्रम के अध्यक्ष सत्येन्द्र सिंह, पूर्व सैनिक सेवा परिषद के अध्यक्ष लेफ्टिनेंट जनरल (रिटायर्ड) वीके चतुर्वेदी, ग्राहक पंचायत के अध्यक्ष नारायण शाह, वीएचपी अध्यक्ष आलोक कुमार, महामंत्री बजरंग बागड़ा, एबीवीपी के संगठन मंत्री आशीष चौहान, विद्या भारती के अध्यक्ष रामकृष्ण राव, भारतीय मजदूर संघ के अध्यक्ष हिरण्मय पण्ड्या, आरोग्य भारती के अध्यक्ष डॉ. राकेश पंडित सहित 32 संघ प्रेरित विविध संगठनों के राष्ट्रीय अध्यक्ष, संगठन मंत्री और प्रमुख पदाधिकारी सहित 300 कार्यकर्ता उपस्थित है।

इन मुद्दों पर चर्चा होने की संभावना...

❊ लोकसभा चुनाव केनतीजों और भाजपा की सीटें घटने की वजह पर चर्चा हो सकती है। ❊ जम्मू-कश्मीर, हरियाणा, झारखंड और महाराष्ट्र में होने वाले चुनावों की रणनीति पर चर्चा हो सकती है। ❊ महिला सुरक्षा और पश्चिम बंगाल में रेप-मर्डर केस पर बातचीत हो सकती है। ❊ भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा के बाद इस पद के लिए नए नाम की चर्चा हो सकती है। ❊ संघ के सहयोगी संगठन तालमेल को बेहतर कैसे बना सकते हैं, इस पर भी बातचीत होगी। ❊ पर्यावरण संरक्षण, खेती-किसानी और क्लाइमेट चेंज जैसे मुद्दे पर भी प्रतिनिधि मीटिंग करेंगे। ❊ झारखंड-छत्तीसगढ और आदिवासी इलाकों में बढ रहे धर्मांतरण के मामलों पर भी चर्चा की जाएगी। ❊ वायनाड में लैंडस्लाइड और अन्य प्राकृतिक आपदाओं में आरएसएस की भूमिका पर बातचीत होगी।

उज्जैन-जावरा फोरलेन का बदल सकता है मार्ग

नागदा, 31 अगस्त गुरु एक्सप्रेस। उज्जैन-जावरा फोरलेन के सर्वे का काम लगभग पूरा हो गया है। इलेक्ट्रानिक सर्वे चल रहा है। इसमें नक्शे के अनुसार मार्ग अभी भी बदल सकता है। यह भी 15 दिन में पूरा हो जाएगा। इतना सब होने के बाद भी जमीन के सौदा करने वाले व्यापारियों के अभी भी समझ में नहीं आ रहा है कि फोरलेन किधर से निकलेगा। उज्जैन-जावरा पर ट्रैफिक अधिक बढने के कारण फोरलेन मार्ग की आवश्यकता हो गई है। गांव भूतेडा से मुंबई, दिल्ली का सिक्सलेन रोड मिल रहा है। राजस्थान के कई धार्मिक स्थल भी इस रोड से जुडे हुए हैं, इसको देखते हुए सांसद अनिल फिरोजिया ने फोरलेन बनाने के लिए केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी से मांग की थी। उन्होंने स्वीकृति भी दे दी थी।

अधिकारियों ने तैयार किया नक्शा- डॉ. मोहन यादव मुख्यमंत्री के रूप में पहली बार शहर में आए, सांसद की मांग पर उन्होंने फोरलेन बनाने की घोषणा कर कहा कि वह स्वयं आकर इसका भूमिपूजन करेंगे। इसके बाद विभाग के अधिकारियों ने उज्जैन, पासलोद, उन्हेल रेलवे स्टेशन के समीप से गांव झिरन्या, भाटीसुडा, भीकमपुर, गुडावन होते हुए ..... शेष पेज 4 पर

माखनलाल चतुर्वेदी विश्वविद्यालय का कुलपति सरकार का बनेगा या संघ का..!

मंदसौर/उज्जैन, 31 अगस्त गुरु एक्सप्रेस। माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय के कुलपति का कार्यकाल सितंबर में समाप्त होने जा रहा है। सम्मानजनक पद है इसलिए संघ, सरकार और राजनीतिक, प्रशासनिक वजूद धारकों ने खुद या अपने समर्थकों को कुलपति बनवाने की रचना बनाना शुरू कर दिया है। इस पद को पाने में वरिष्ठ पत्रकार और सेवानिवृत्त वरिष्ठ अधिकारी ललायीत रहते हैं। जाहिर है प्रदेश की राजधानी में ऐसे लोग पहचान के साथ पहले से स्थापित है। बस लालसा रहती है इसी के साथ प्रभाव रखने वाला सम्मानजनक पद मिल जाए तो शासन प्रशासन और आम नागरिकों में महत्व मिलने लगता है।

प्रदेश में जब से भाजपा की सरकार बनते आ रही है तब से इस विश्वविद्यालय के कुलपति पद पर संघ की पसंद और सिफारिश को ही स्वीकृति मिलती आई है। बीच के 18 महीने में पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ के कार्यकाल में पत्रकार दीपक तिवारी को कुलपति बनाया गया था। सरकार जाते ही इन्हें हटना पडा, भाजपा सरकार ने के सुरेश को कुलपति बना दिया था। चूंकि सितंबर में इनका कार्यकाल समाप्त होने वाला है। इसलिए अभी से कुलपति बनने के प्रयासों की मशक्कत जारी है। कुलपति नियुक्त करने का सर्वाधिकार महामहिम के पास होता है। पर नाम चयन का अधिकार मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव के पास है। और यह सर्वविदित है की स्व. शालिग्राम जी तोमर के सानिध्य में विद्यार्थी परिषद के पदाधिकारी से मुख्यमंत्री तक का सफर तय करने वाले मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव के लिए भी संघ की पसंद ही प्राथमिकता रहेगी।

चन्द्रमोहन भगत

यह उल्लेख भी आवश्यक है कि भाजपा सरकार के रहते हमेशा माखनलाल चतुर्वेदी विश्वविद्यालय का कुलपति संघ की पसंद का प्रदेश के बाहर के शिक्षा जगत के हस्ताक्षर को बनाया जाता रहा है।

वर्तमान दृश्य में थोड़ा बदलाव यह है कि इंदौर के देवी अहिल्या विश्वविद्यालय की पत्रकारिता विभाग की प्रमुख डॉ सोनाली नरगुंडे का नाम सतह पर लिया जा रहा है। शिक्षा जगत के सूत्रों की माने तो अगले कुलपति के लिए संघ ने भी इसी नाम के लिए अपनी सहमति दर्ज करा दी है। जैसा कि प्रदेश भाजपा की सरकार की कार्य प्रणाली का वातावरण बना हुआ है, उससे साफ लगता है कि बगैर किसी अवरोध के सोनाली नरगुंडे को कुलपति बनाया जा सकता है। वे शासन की वांछित योग्यताओं को पूरा करती है, साथ ही इसी विषय के विभाग प्रमुख की जिम्मेदारी बखूबी निभा रही है। प्रतिस्पर्धा है इसलिए अन्य नाम भी सतह पर हैं। इनमें माखनलाल चतुर्वेदी विश्वविद्यालय के ही अरविंद जोशी को मुख्यमंत्री का करीबी बताया जा रहा है तो संघ समर्थित अखबार समूह की ओर से लाजपत आहूजा का नाम भी चल रहा है। संघ की यह विशेषता भाजपा शासित राज्य और केंद्र सरकार में भी देखी जा सकती है कि अपने विचारधारा के प्रचार-प्रसार वाले विभागों पर संघ सिर्फ अपने ही परिवार के पात्र व्यक्ति को ही प्राथमिकता देता आया है। फिर चाहे वह प्रदेश का हो या दूसरे प्रदेश का, सोनाली नरगुंडे प्रदेश की होकर कुलपति के योग्य पात्रता धारक है। इसलिए शिक्षा जगत में माना जा रहा है कि सोनाली नरगुंडे का ही नाम प्राथमिकता पर चल रहा है। यह अलग बात है की देवी अहिल्या विश्वविद्यालय के उनके अपने विभाग के प्रमुख रहने के बाद भी कुलपति के लिए उनका नाम प्राथमिकता में है, ऐसा न जाहिर हो रहा है ना ही छात्र जगत में इसे स्वीकार्यता मिल रही है।

माखनलाल चतुर्वेदी विश्वविद्यालय में अभी तक भाजपा के शासन में जितने भी कुलपति बनाए गए हैं सभी अन्य प्रदेशों के शिक्षा जगत के हस्ताक्षर रहे हैं। पहली बार ही प्रदेश शिक्षा जगत से सोनाली नरगुंडे का नाम प्रमुखता लिए हुए हैं। पद हासिल करता है या नहीं, यह समय बताएगा। संघ परिवार में यह चर्चा भी आम हो रही है कि प्रादेशिक शिक्षा प्रणाली में अपनी विचारधारा को व्यापक और स्थापित करने के लिए प्रदेशवासी कुलपति ही उपयुक्त वातावरण के साथ स्थाई नतीजे दे पाएगा। मुख्यमंत्री डॉक्टर यादव भी संघ परिवार की पसंद रहे हैं और जानते हैं कि संघ दीर्घकालिक योजना पर गंभीरता से विचार करता है। इसलिए सोनाली नरगुंडे का नाम प्राथमिकता लिए हुए हैं।

सुबह से दोपहर तक गर्मी, शाम को झमाझम

बारिश से मंडी में भीगा किसानों का पसीना, शहर की सड़के हुई ओवर फ्लो

मंदसौर, 31 अगस्त गुरु एक्सप्रेस। शनिवार को सुबह से दोपहर बाद तक तेज गरमी और उमस से लोग परेशान रहे। लेकिन शाम को झमाझम बारिश से मौसम में ठंडक घुल गई शहर के अलग-अलग इलाको पौन घंटे से लेकर 1 घंटे तक जोरदार बारिश हुई। इस दौरान करीब आधा इंच बारिश दर्ज की गई। शहर की कई सड़के बारिश के पानी से ओवर फ्लो देखी गई। नालिया छोटी होने और बारिश की गति तेज होने से पानी की निकासी में देरी हो रही थी।

मौसम विभाग ने रविवार को बारिश का अलर्ट जारी किया है। लेकिन, उसके पहले शनिवार को कई जगहों पर तेज बारिश हुई। सुबह से दोपहर तक उमस और गर्मी से लोग खासे परेशान नजर आए। लेकिन शाम को बादल छाए। इसके बाद तेज बारिश शुरु हुई। इसी तरह जिले में कई जगहों पर बारिश का दौर देर शाम तक चलता रहा। बारिश के चलते गर्मी से राहत मिली।

इधर मंदसौर कृषि उपज मंडी में खुले में पड़ी किसानों की उपज भीग गई जिससे किसानों को नुकसान हुआ। जिले में रविवार सुबह तक ओवरऑल 27.73 इंच (704.4 मिमी) औसत बारिश दर्ज की गई है। इधर चंबल नदी पर बने गांधी सागर बांध का जलस्तर 1304.55 फीट पहुंच गया है। बांध अधिकारियों के मुताबिक 1306 फीट तक इसे मेंटेन रखना है। इधर मौसम जानकारों के अनुसार मध्यप्रदेश में 1 सितंबर से बारिश का स्ट्रॉन्ग सिस्टम एक्टिव होगा। इससे पूरे प्रदेश में बारिश होगी। प्रदेश के 35 जिलों में तेज बारिश का अलर्ट है। आईएमडी भोपाल के वैज्ञानिक वीएस यादव ने बताया- बंगाल की खाडी में एक लो प्रेशर एरिया सिस्टम एक्टिव है। दूसरी ओर, मानसून ट्रफ उम्पर से गुजर रही है। इसके असर से शनिवार को ज्यादा जिलों में तो तेज बारिश नहीं हुई, लेकिन 1 से 3 सितंबर तक पूरे प्रदेश में भारी बारिश का दौर शुरू होगा। लो प्रेशर एरिया सिस्टम का असर बढने से ऐसा होगा।

विचार-मंथन

कोलकाता की घटना पर जनता का गुस्सा जायज

लगा था कि सर्वोच्च न्यायालय की दखल के बाद कोलकाता चिकित्सक बलात्कार और हत्या मामले को लेकर उभरा लोगों का रोष कुछ कम हो जाएगा, मगर वह और बढ़ता जा रहा है। अदालत ने घटना के विरोध में आंदोलन कर रहे चिकित्सकों से काम पर लौटने की अपील की थी। मामले पर कार्रवाई में बरती गई शिथिलता और लापरवाहियों को लेकर पुलिस और चिकित्सालय प्रशासन को फटकार लगाई थी। मगर उससे लोगों का गुस्सा शांत नहीं हो पा रहा। मंगलवार को पश्चिम बंग छात्र समाज ने 'नवान्न' अभियान शुरू कर दिया। बताया जा रहा है कि यह छात्रों का गैरराजनीतिक मंच है और इसकी तीन प्रमुख मांगें है- पीड़िता को न्याय मिले, मुख्यमंत्री अपने पद से इस्तीफा दें और अपराधी को मृत्युदंड मिले। अब छात्रों के विरोध में कुछ सरकारी कर्मचारी संगठनों ने भी अपना स्वर मिला दिया है। उधर भारतीय जनता पार्टी ने बुधवार को बारह घंटे के बंगाल बंद का आह्वान किया था, जिसमें पार्टी कार्यकर्ताओं और पुलिस के बीच कई जगह झड़पें भी हुईं। ऐसे वातावरण में राष्ट्रपति ने भी अपने संबोधन में कहा कि अब समय आ गया है कि बेटियों पर अत्याचार को सहन न किया जाए। किसी भी हाल में महिलाओं का उत्पीड़न रुकना चाहिए। स्वाभाविक ही इस विरोध प्रदर्शन से ममता बनर्जी सरकार की मुश्किलें बढ़ गई हैं। हालांकि इस मामले पर सियासी बयानबाजियां भी तेज हो गई हैं। ममता बनर्जी इन विरोध प्रदर्शनों के पीछे भाजपा का हाथ बता रही हैं और उनका आरोप है कि केंद्र सरकार, पश्चिम बंगाल सरकार को अस्थिर करने की कोशिश कर रही है। विपक्षी गठबंधन के नेता भी इसमें सियासी रंग घोल रहे हैं। इस तरह कोलकाता बलात्कार और हत्या प्रकरण में अब असल मुद्दे पर कार्रवाई से अधिक राजनीतिक सरगर्मी बढ़ गई है। हालांकि इस घटना को बीस दिन हो गए और शुरू में ही ममता बनर्जी ने इस पर सख्त रुख अख्तियार कर लिया था। आरोपी को फौरन गिरफ्तार कर लिया गया, लापरवाही बरतने वाले अस्पताल प्रशासन के खिलाफ भी कार्रवाई कर दी गई। मामले की जांच का जिम्मा सीबीआइ को सौंप दिया गया। सर्वोच्च न्यायालय लगातार इस मामले पर नजर बनाए हुए है। आरोपी के सच से सामना कराने से कुछ तथ्य सामने आने की उम्मीद बनी हुई है। मगर लोगों की नाराजगी कम होने का नाम नहीं ले रही, तो इसकी कुछ वजहें साफ हैं। अभी तक अनेक आपराधिक मामलों में ममता बनर्जी सरकार का रवैया संतोषजनक नहीं देखा गया है। उन सबका मिलाजुला, लंबे समय से जमा रोष इस घटना के बाद फूट पड़ा है। कोलकाता चिकित्सक बलात्कार और हत्या कांड को लेकर पूरे देश में आक्रोश प्रकट हुआ है, तो उसके पीछे भी बड़ी वजह महिलाओं की सुरक्षा को लेकर बरती जा रही शिथिलता है। राष्ट्रपति के बयान को गंभीरता से लेने की जरूरत है कि निर्भया कांड के बारह बरस बाद भी ऐसे जघन्य अपराध रुकने का नाम नहीं ले रहे। मगर जब तक सरकारें राजनीतिक नफे-नुकसान से ऊपर उठ कर इस दिशा में सामूहिक प्रयास से कोई व्यावहारिक और कारगर कदम नहीं उठाएंगी, तब तक ऐसी घटनाओं पर रोक लगाना मुश्किल बना रहेगा। ममता बनर्जी को इसे राजनीतिक रस्साकशी का मुद्दा बनाने के बजाय लोगों को यह भरोसा दिलाना होगा कि वे महिलाओं की सुरक्षा को लेकर गंभीर हैं और बलात्कार तथा हत्या मामले में न्याय दिलाने का हर प्रयास करेंगी।

थाईलैंड में चीनी प्रभाव कम करने का समय

ओंकारेश्वर पांडेय

भारतीयों के लिए थाईलैंड न केवल पर्यटन का एक लोकप्रिय केंद्र है, बल्कि ऐतिहासिक रूप से भी दोनों देशों के बीच सांस्कृतिक और धार्मिक संबंध गहरे रहे हैं। पैटॉन्गटर्न, जिन्हें उंग इंग के नाम से भी जाना जाता है, अपनी चाची यिंगलक शिनावात्रा के बाद प्रधानमंत्री बनने वाली थाईलैंड की दूसरी महिला नेता हैं। उनका चुनाव भारत के लिए उनके पिता प्रधानमंत्री थाक्सिन द्वारा स्थापित गर्मजोशी भरे संबंधों को और मजबूत करने का एक रणनीतिक अवसर है। थाई राजनीति का यह नया दौर ऐसे समय में आया है, जब भारत का व्यापक लक्ष्य दक्षिण पूर्व एशिया में चीन के बढ़ते प्रभाव का मुकाबला करना है। उनके राजनीतिक कॅरियर का उदय एक विशेष रूप से अस्थिर राजनीतिक परिदृश्य के बीच हुआ, जब थाईलैंड में संवैधानिक अदालत ने उनके पूर्ववर्ती प्रधानमंत्री स्रेथा थविसिन को एक विवादास्पद कैबिनेट नियुक्ति के कारण पद से हटा दिया। थाईलैंड में सैन्य हस्तक्षेप और राजनीतिक अस्थिरता का लंबा इतिहास रहा है। 2006 और 2014 में हुए दो बार हुए सैन्य तख्तापलट ने देश की राजनीति को बुरी तरह प्रभावित किया। थाईलैंड की पहली महिला प्रधानमंत्री, यिंगलक शिनावात्रा, जो पैटॉन्गटर्न की चाची हैं, का कार्यकाल भी इसी अस्थिरता का शिकार हुआ। हालांकि, भारत के लिए इन घटनाओं के बीच एक रणनीतिक अवसर भी छिपा है। थाक्सिन शिनावात्रा और भारतीय प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी के कार्यकाल 2001 से 2006 के दौरान भारत-थाईलैंड संबंधों में महत्वपूर्ण प्रगति हुई। आर्थिक-रणनीतिक सहयोग बढ़ा। मुक्त व्यापार समझौता हुआ, और संयुक्त सैन्य अभ्यास और द्विपक्षीय नौसैनिक रक्षा सहयोग भी शुरू हुआ। समुद्री सहयोग व कनेक्टिविटी बढ़ाने के अलावा भारत, म्यांमार और थाईलैंड के बीच त्रिपक्षीय राजमार्ग परियोजनाओं के माध्यम से दोनों देशों में उल्लेखनीय सहयोग देखा गया। भारत की स्वतंत्रता के बाद सन 1947-76 के दौरान भारत-थाई संबंध ठंडे रहे थे। 1970 के दशक तक थाईलैंड पर सैन्य शासकों का शासन था। 1986 में भारतीय प्रधानमंत्री राजीव गांधी की थाईलैंड यात्रा ने इस स्थिति को बदलने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। 1994 में शुरू हुई भारत की लुक ईस्ट नीति और थाईलैंड की लुक वेस्ट नीति ने द्विपक्षीय संबंधों को नया आयाम दिया। इसके बाद के वर्षों में, दोनों देशों ने अपने आर्थिक और सामरिक सहयोग को बढ़ाया। 2011 में थाक्सिन की बहन यिंगलक शिनावात्रा के प्रधानमंत्री बनने के बाद उनके कार्यकाल (2011-2014) के दौरान भारत और थाईलैंड के बीच कई महत्वपूर्ण समझौते हुए, जिनमें रक्षा, सुरक्षा, और व्यापार पर ध्यान केंद्रित किया गया। हालांकि, 2014 में यिंगलक शिनावात्रा को भी सत्ता से बेदखल कर दिया गया, और वह अब चीन में निर्वासित जीवन बिता रही हैं। इस बीच, थाईलैंड और चीन के संबंध मजबूत होते गए। थाईलैंड अब चीन के बेल्ट एंड रोड इनिशिएटिव का हिस्सा है और दोनों देशों के बीच व्यापारिक और सैन्य सहयोग में भी तेजी आई है। चीन ने थाईलैंड में बुनियादी ढांचा परियोजनाओं में बड़ा निवेश किया है, जैसे कि बैंकॉक को लाओस-चीन हाई स्पीड रेल से जोड़ने का प्रोजेक्ट। इसके अलावा, चीन ने थाईलैंड को 5 प्रतिशत नेटवर्क स्थापित करने के लिए हुवावे जैसी कंपनियों के माध्यम से भी सहायता प्रदान की है। थाईलैंड में चीन का बढ़ता प्रभाव भारत ही नहीं अमरीका के लिए भी महत्वपूर्ण चुनौती है। शीत युद्ध के बाद से अमरीका थाईलैंड का प्राथमिक हथियार आपूर्तिकर्ता रहा, लेकिन यह स्थान अब चीन ने ले लिया है। चीन ने न केवल थाईलैंड के रक्षा क्षेत्र में अपने प्रभाव को बढ़ाया है, बल्कि थाईलैंड के साथ नियमित रूप से संयुक्त सैन्य अभ्यास भी किया है। इसके अलावा, थाईलैंड ने चीन से बड़ी संख्या में टैंक, बख्तरबंद वाहन, और पनडुब्बियां खरीदी हैं। चीन अब थाईलैंड का सबसे बड़ा हथियार आपूर्तिकर्ता बन गया है। 2023 में थाईलैंड में चीन का कुल निवेश 43% बढ़कर 23.79 अरब डॉलर पर पहुंच गया, जो थाईलैंड की अर्थव्यवस्था पर चीन के प्रभाव को स्पष्ट रूप से दर्शाता है। भारत और थाईलैंड के बीच द्विपक्षीय व्यापार 2023 में लगभग 14 बिलियन अमेरिकी डॉलर रहा। हालांकि, इस व्यापार में भारत का हिस्सा कम है। थाईलैंड में भारत का मुख्य निर्यात कपड़ा, रत्न और फार्मास्यूटिकल्स हैं, जबकि थाईलैंड से भारत को आयात मुख्य रूप से इलेक्ट्रॉनिक्स और अन्य उपभोक्ता उत्पादों का है। भारत और थाईलैंड दोनों ही आसियान क्षेत्रीय मंच और एशिया सहयोग वार्ता जैसे अंतर्राष्ट्रीय मंचों पर एक साथ काम करते हैं। भारत ने दक्षिणी थाईलैंड में इस्लामी अलगाववादियों से निपटने के लिए थाई लोगों की सहायता की, जिसके बदले थाईलैंड ने कंबोडिया में उत्पन्न होने वाले हथियारों की आपूर्ति के लिए उनकी जमीन का उपयोग करने वाले भारतीय अलगाववादियों के खिलाफ कार्रवाई की। 2006 से भारत-थाई नौसेनाओं की अंडमान सागर में प्रतीकात्मक समन्वित गश्त और जनवरी 2012 में रक्षा सहयोग के समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर के बावजूद कहीं न कहीं दोनों देशों के सुरक्षा संबंध अपेक्षाकृत अविकसित ही हैं। कुल मिलाकर थाईलैंड में भारत चीन से पिछड़ रहा है। ऐसा तब है, जब दोनों देशों के संबंध हजारों साल पुराने हैं। थाई संस्कृति पर भारत का गहरा प्रभाव है। थाईलैंड बौद्ध धर्म को मानता है, जो भारत से उत्पन्न हुआ है। रामायण की हिंदू कहानी भी पूरे थाईलैंड में रामकियेन के नाम से प्रसिद्ध है। लगभग 2500 साल पहले जब सम्राट अशोक ने सुवर्णभूमि में भिक्षुओं को भेजा था, तब से लेकर आजतक थाईलैंड में भारतीय पुजारियों का स्वागत किया जाता रहा है। थाईलैंड की समुद्री सीमा भारत के अंडमान और निकोबार द्वीप समूह के साथ जुड़ी है। दक्षिण पूर्व एशिया के प्रवेश द्वार थाईलैंड में रहने वाले लगभग 250,000 भारतीय और 25,000 से अधिक एनआरआई भारत-थाईलैंड संबंधों के जीवंत प्रतीक हैं। आज बड़े पैमाने पर भारतीय थाईलैंड की यात्राएं करते हैं। 15 से अधिक भारतीय शहरों से लगभग 400 साप्ताहिक उड़ानों के साथ सीधे जुड़े थाईलैंड में 2023 में लगभग 1.6 मिलियन भारतीय पर्यटक पहुंचे।

दो अरब लोगों को पोष्टिक आहार की दरकार

डॉ. राजेन्द्र प्रसाद शर्मा

दुनिया के देशों की सरकारें लोगों को पौष्टिक भोजन उपलब्ध कराने के लिए गंभीर है। पर इसके प्रमुख कारणों में से सहज उपलब्धता, पहुंच का अभाव, सामर्थ्य यानी कि गरीबी या पर्याप्त आय नहीं होना है। सबसे अधिक वैश्विक स्तर पर हालातों से निपटने के समन्वित प्रयासों की आवश्यकता है। अंतरराष्ट्रीय खाद्य नीति अनुसंधान संस्थान आईएफपीआरआई द्वारा हाल ही में जारी वैश्विक खाद्य नीति रिपोर्ट इस मायने में और अधिक गंभीर हो जाती है कि लाख प्रयासों के बावजूद दुनिया की बहुत बड़ी आबादी को पोष्टिक आहार नहीं मिल पा रहा है। हालिया रिपोर्ट के अनुसार दुनिया की 2.2 अरब आबादी आज भी पौष्टिक आहार से वंचित है। इसके कारण कुपोषण बढ़ रहा है और लोग बीमारियों का आसान शिकार बन रहे हैं। मजे की बात यह है कि हमारी आदतों के कारण बहुत बड़ी मात्रा में एक और भोजन की बर्बादी हो रही है तो हमारी व्यवस्थाओं के चलते बड़ी मात्रा में या तो खाद्यान्न बेहतर रखरखाव के अभाव में खराब हो जाता है या फिर पोस्ट हार्वेस्टिंग गतिविधियों को विस्तारित व काश्तकारों तक तकनीक की पहुंच नहीं होने के कारण खराब हो जाता है। यानी की एक और हमारी आदतों के कारण तो दूसरी और खाद्यान्नों को सहेज के रखने की सही व्यवस्थाओं के अभाव में बेकार हो जाता है और इसका सीधे सीधे खामियाजा भुगतना पड़ रहा है। यह कोई पहला अवसर नहीं है जब इस तरह की रिपोर्ट जारी हो रही हो, बल्कि आईएफपीआरआई का यह सालाना कार्यक्रम है और पतिवर्ष इस तरह की रिपोर्ट जारी होती है। इसमें भी कोई दो राय नहीं कि हालात में सुधार हो रहा है पर जिस तरह का सुधार होना चाहिए था वह हो नहीं हो पा रहा है। यह किसी एक देश की समस्या हो ऐसा भी नहीं है, कमोबेस यह हालात दुनिया के अधिकांश देशों में हैं। हां अंतर इतना है कि कम आय वाले देशों में समस्या अधिक गंभीर है। यह तो साफ हो गया है कि कुपोषण के कारण या यों कहे कि पौष्टिक आहार की सहज उपलब्धता नहीं होने के कारण सीधे सीधे स्वास्थ्य पर असर पड़ रहा है। एक मोटे अनुमान के अनुसार यदि लोगों को पौष्टिक आहार मिलने लगे तो पांच में से एक जान तो आसानी से बचाई जा सकती है। पौष्टिक भोजन नहीं मिलने की गंभीरता को इसी से समझा जा सकता है कि 14.8 करोड़ बच्चे अविकसित हो रहे हैं तो 4.8 करोड़ बच्चे कम वजनी हो रहे हैं। केवल पौष्टिक आहार नहीं मिलने के कारण ही 50 लाख लोग डायबिटिज के शिकार हो रहे हैं। अधिक वजन और मोटापा आम होता जा रहा है। कुपोषण के कारण गैर संचारी बीमारियों की गिरफ्त आते जा रहे हैं। हालांकि दुनिया के देशों की सरकारें लोगों को पौष्टिक भोजन उपलब्ध कराने के लिए गंभीर है। पर इसके प्रमुख कारणों में से सहज उपलब्धता, पहुंच का अभाव, सामर्थ्य यानी कि गरीबी या पर्याप्त आय नहीं होना है। सबसे अधिक वैश्विक स्तर पर हालातों से निपटने के समन्वित प्रयासों की आवश्यकता है। दुनिया के देशों को मांग और आपूर्ति की व्यवस्था को भी देखना होगा। इस सबके साथ ही हमारी बदलती जीवन शैली जिसमें अपौष्टिक खाद्य व पेय पदार्थों का सेवन आम होता जा रहा है उस पर भी रोक लगानी चाहिए और जब तक सरकारों के प्रयास सफल नहीं होते तब तक हमें भी हमारी आदतों को सुधारने की पहल करनी ही होगी। इसके सब के साथ ही दुनिया के देशों के सिविक सेंस को भी सकारात्मक बनाना होगा। हालांकि कई देशों में होटलों, रेस्ट्रा, सामूहिक आयोजनों सहित विभिन्न आयोजनों में भोजन की बर्बादी रोकने के लिए सक्रियता दिखाई है। पर यह ऊंट के मुंह में जीरे से अधिक नहीं है। ऐसे में हमें अन्न के एक एक दाने को बचाने की सोचना होगा। जिस तरह से पार्टियों में खाने की बर्बादी होने लगी है यह अपने आपमें गंभीर है। बुफे के खानें में इसको आसानी से देखा जा सकता है। भले ही यह हालात हमारे देश में हो कि आयोजनों में किस तरह से लोग बुफे स्टॉल पर टूट पड़ते हैं, खाने की प्लेट को एक ही बार में भर लेते हैं और फिर जूठन के रुप में डस्टबिन को समर्पित कर देते हैं। यह तस्वीर खाने की बर्बादी को दर्शा देती है।

ताकि भारत की तरक्की में बुजुर्गों का रहे योगदान

भारत के शहरों में हर चार में से एक आदमी सेहत संबंधी खर्चों की वजह से कर्ज का शिकार हो जाता है, जबकि गांवों में जमीन खरीदने पर खर्च के बाद बीमारियों से होने वाले खर्च का नंबर आता है। 'लॉन्गिट्यूडिनल एजिंग सर्वे' के आंकड़े वाकई चौंकाते हैं और चिंता में डालते हैं। अव्वल तो ये आंकड़े वरिष्ठ नागरिकों के लिए स्वास्थ्य देखभाल लागत की गंभीरता को उजागर कर देते हैं। इस नजरिये से 70 वर्ष और उससे अधिक उम्र के वरिष्ठ नागरिकों के लिए आयुष्मान भारत योजना का विस्तार बुजुर्गों पर स्वास्थ्य देखभाल के वित्तीय बोझ को कम करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। हालांकि, इस योजना का लाभ सुनिश्चित करने के लिए इसे व्यापक प्राथमिक स्वास्थ्य तंत्र के साथ जोड़ना चाहिए। कम उम्र के लोगों की सेहत पर भी अगर ध्यान दिया जाए, तो ज्यादा उम्र होने पर यह आबादी लंबे समय तक सेहतमंद रह सकेगी। ध्यान रहे, साल 2050 तक भारत की बुजुर्ग आबादी दोगुनी होकर लगभग 31.90 करोड़ तक पहुंच जाएगी। इसका मतलब यह होगा कि हर पांच भारतीय में से एक की उम्र 60 वर्ष से अधिक होगी। जाहिर है, इसका न सिर्फ हमारी स्वास्थ्य देखभाल प्रणाली पर, बल्कि समूचे समाज पर व्यापक प्रभाव पड़ेगा। अत- अब सवाल है कि हम इस जरूरी बदलाव को कैसे मुमकिन बनाएं? विश्व स्वास्थ्य संगठन इस मोर्चे पर तीन स्तंभों- स्वास्थ्य, सामाजिक सुरक्षा और भागीदारी के तहत कदम उठाने की सिफारिश करता है। स्वास्थ्य सेवा व्यवस्था को बदलने और बढ़ती उम्र वाली आबादी की जरूरतों को पूरा करने के लिए ज्यादा निवेश की जरूरत पड़ेगी। बजट का एक बड़ा हिस्सा चिकित्सा सेवाओं को सुधारने पर खर्च होना चाहिए, ताकि जरूरतमंद आबादी को लाभ पहुंचाया जा सके। दूसरी बात, जिस देश में लगभग 80 प्रतिशत लोग असंगठित क्षेत्र में काम करते हैं, उनके लिए स्वास्थ्य सुरक्षा मजबूत करने की जरूरत है। अभी ग्रामीण विकास मंत्रालय के पास गरीबी रेखा से नीचे के बुजुर्गों के लिए गैर-अंशदायी वित्तीय सहायता और खाद्य सुरक्षा की कुछ योजनाएं हैं। हालांकि, उनमें राशि कम है और इन योजनाओं का उपयोग भी कम हो रहा है। ऐसे उपाय जरूरी हैं, ताकि लोग इन योजनाओं का लाभ उठाने के लिए आगे आएं। एक सफल सामाजिक सुरक्षा कार्यक्रम की एक मिसाल बोलीविया की रेंटा डिग्निडाड योजना है, जो बुजुर्गों की एक पेंशन योजना है। इस पेंशन योजना से जुड़े अनेक लाभ हैं और जिन परिवारों तक यह पहुंच गई है, उनके यहां बाल श्रम से लेकर स्कूल नामांकन तक गहरा प्रभाव पड़ा। तीसरी बात, सेहत योजनाओं में भागीदारी को बढ़ावा देना होगा। सहज भुगतान की भी व्यवस्था करनी पड़ेगी। गौर कीजिए, अपने देश में बुजुर्ग आबादी समरूप नहीं है। कई लोगों की सेहत अच्छी है, ये लोग काम करना जारी रख सकते हैं, मगर जिनकी सेहत उतनी अच्छी नहीं है, वे घर में रहकर ही पोते-पोती या बच्चों के लालन-पालन में बड़ी भूमिका निभा सकते हैं। इस स्थिति में युवा महिलाओं को भी श्रमबल का हिस्सा बनने में सुविधा होगी। अध्ययनों से पता चलता है कि बुजुर्गों के पास अद्वितीय समस्या-समाधान कौशल होता है और वे अपने साथ बड़ी सामाजिक थाती लिए होते हैं। उनमें समाज में योगदान देने की सहज इच्छा होती है। हमें समझना होगा कि बुजुर्ग भी हमारी संपदा हैं। मिसाल के लिए, अमेरिका में 'एक्सपीरियंस कॉर्प्स' नाम का एक कार्यक्रम है, जो खराब शैक्षिक परिणाम वाले कमजोर बच्चों की मदद के लिए प्रशिक्षित बुजुर्गों को स्कूली शिक्षा में स्वयंसेवक के रूप में शामिल करता है। अध्ययन बताते हैं, इस योजना से बच्चे और बुजुर्ग, दोनों को लाभ हुआ है। इससे बच्चों के साथ ही बुजुर्गों के भी तन-मन में सुधार देखा गया है। भारत में भी बुजुर्गों का ऐसे ही सदुपयोग होना चाहिए। इससे उनकी प्रासंगिकता भी बनी रहेगी और उनके स्वास्थ्य की भी रक्षा होगी।

यूपीएस पर संतुष्ट नहीं हैं कर्मचारी संगठन नई योजनाओं पर उठाए सवाल

सुडोकू पहेली क्रमांक- 5478

	7			3			1	
1	3	9		8	2		6	
6							8	
7		2						1
			9		4			
8						9		6
	8							5
	5		1	4		2	9	7
	1			9			3	

नियम : प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक अंक भरे जाने आवश्यक हैं, इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है। आड़ी व खड़ी पंक्ति में एवं 3x3 के वर्ग में अंक की पुनरावृत्ति न हो, पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते।

सुडोकू पहेली क्र. 5477

6	1	3	7	5	9	8	2	4
4	8	9	2	1	6	3	7	5
5	2	7	8	3	4	6	1	9
9	6	5	1	7	8	4	3	2
3	7	8	5	4	2	9	6	1
1	4	2	6	9	3	7	5	8
2	5	4	9	6	7	1	8	3
7	9	1	3	8	5	2	4	6
8	3	6	4	2	1	5	9	7

वर्ग पहेली 5478

संकेत: बाएं से दाएं

1. 1949 को इस राज्य को भारत में शामिल किया गया (3)
4. हरियाणा के प्रमुख राजनीतिज्ञ जो भारत के उपप्रधानमंत्री रहे (4)
7. [illegible] (3)
8. यदि ऐसा न होता तो (3)
9. [illegible] (2)
11. एक बार सांस लेने का समय (2)
13. मथुरा से करीब 20 किमी दूर स्थित वृंदावन का एक गांव जहां नंद रहते थे (4)
15. उत्तरप्रदेश के इस शहर का नाम परिवर्तित कर प्रयागराज कर दिया गया है (5)
17. [illegible] (2)
18. जीव-जंतुओं के शरीर के त्वचा से निकले सूक्ष्म तंतु (2)
19. [illegible] (2)
20. हिलने-डुलने की क्रिया, गति (4)
23. [illegible] (2)
24. सूर्यपुत्र कर्ण को यह भी कहते थे (4)

ऊपर से नीचे

1. तीनों काल (भूत, वर्तमान, भविष्य) (3)
2. इसे अंग्रेजी में ब्रिज कहते हैं (2)
3. पूर्णिमा की रात यह भी कहलाती है (2)
4. फिल्म इंडस्ट्री में मशहूर अभिनेता [illegible] 11 को हुआ था (5)
5. बहादुर, योद्धा, शूर (2)
6. ले जाना, उपस्थित करना (2)
10. [illegible] (3)
11. मध्यम, औसत (3)
12. बहुत बड़ा, महान, सर्वश्रेष्ठ (2)
14. [illegible] (3)
15. उपासना, आराधना, पूजा (उर्दू) (4)
16. [illegible] (3)
19. [illegible] (3)
20. [illegible] (2)
21. किस समय, किस वक्त (2)
22. वीर, बहादुर, योद्धा (2)

वर्ग पहेली 5477 का हल

आज का राशिफल

मेष [illegible]

वृषभ [illegible]

मिथुन [illegible]

कर्क [illegible]

सिंह [illegible]

कन्या [illegible]

तुला [illegible]

वृश्चिक [illegible]

धनु [illegible]

मकर [illegible]

कुंभ [illegible]

मीन [illegible]

बालिका शिक्षा के क्षेत्र में अपनी उल्लेखनीय सेवाए देने के लिए खजुरिया सारंग की प्रभारी प्राचार्य ...

डा.सुनीता गोधा का राष्ट्रीय शिक्षक सम्मान के लिए चयन

5 सितंबर शिक्षक दिवस पर विज्ञान भवन नई दिल्ली में राष्ट्रपति के हाथों होगा सम्मान

(महावीर अग्रवाल)

मंदसौर, 31 अगस्त गुरु एक्सप्रेस। मंदसौर जिले की दलौदा तहसील के ग्राम खजुरिया सारंग की प्रभारी प्राचार्य डॉ सुनीता गोधा को राष्ट्रीय शिक्षक सम्मान पुरस्कार के लिए चयनित किया गया है। 5 सितंबर 24 शिक्षक दिवस पर आपको नईदिल्ली के विज्ञान भवन में आयोजित कार्यक्रम में राष्ट्रपति द्वारा सम्मानित किया जाएगा। डॉ गोधा को राष्ट्रीय पुरस्कार सम्मान के लिए चयन की शाम के समय हुई घोषणा के समय वह घर पर ही थी। उन्होंने यह सूचना पाकर अपने को गौरान्वित महसूस किया साथ ही कहा कि इस पुरस्कार से मन्दसौर जिले ,विद्यालय व राज्य का नाम देशभर में रोशन हुआ है। 2000 से 2011 तक यह सम्मान मन्दसौर जिले के 5 शिक्षकों को मिल चुका है और डॉ सुनीता गोधा 6 टी शिक्षिका है जिन्हें यह राष्ट्रीय पुरस्कार देने की।घोषणा हुई है। अभी तक 5 पुरूष शिक्षकों को यह सम्मान मिला है वे पहली बार पहली महिला शिक्षिका है जिन्हें यह राष्ट्रीय पुरस्कार दिए जाने की घोषणा हुई है। डॉ सुनीता गोधा 1998 से अक्टूम्बर 2023 तक शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय पिपलियामंडी शिक्षा कर्मी वर्ग-1 के रूप में कार्य करते हुए कक्षा 9 वी से 12 वी तक के विद्यार्थियों को पढाती थी। वर्तमान में आप एकीकृत शासकीय हाई स्कूल खजुरिया सारंग में प्रभारी प्रचार्य के पद पर कार्यरत है।

डॉ गोधा ने बताया कि वे पिपलियामंडी में उनके स्कूल में प्रतिदिन करीब 26 से 30 गावो की बालिकाएं पढने आती थी। वे 25 वर्षों से बालिका शिक्षा प्रोत्साहन हेतु निरन्तर कार्य कर रही है। शाला त्यागी एव दिव्यांग बच्चों को शिक्षा की मुख्यधारा से जोडने में सफल रही है।विद्यालय के नामांकन में वृद्धि श्रेष्ठ परीक्षा परिणाम आपकी उपलब्धि है। उन्होंने बताया की कोई 22 गावो के ग्रामीण परिवेश ,निर्धन , खेतिहर मजदूर और किसान परिवारों की बेटियों को निरंतर अध्ययन हेतु प्रेरित किया। इस प्रकार करीब 1100 शाला त्यागी बालिकाओं को शिक्षा से जोडा है। उन्होंने बताया कि बिना किसी मानदेय के आनन्द सभा के आयोजन किये। शासकीय , अशासकीय संस्थाओं के विद्यार्थियों के लिए आनन्द सभा का आयोजन कर जिले में एक लहर सी बना दी थी। डॉ गोधा यह भी गर्व से बताती है कि उनके बेटियों के लिए किए गए सकारात्मक प्रयासों के परिणाम है कि उनके द्वारा पढाई गई कई बालिकाएं आज बैंक,पुलिस, नरसिंग ,फिजियोथेरेपिस्ट और शासकीय विद्यालयों में शिक्षिका बन कर आत्मनिर्भर बन गई है। कुछ खेलो में बेहतरी प्रदर्शन कर रही है। उन्होंने कहा कि एक बालिका तो उनके ही पिपलियामंडी विद्यालय में टीचर है। इस उपलब्धि पर उन्हें खुशी है। उन्होंने बताया कि कोविड के दौरान प्रभावितों की ऑन लाइन काउंसलिंग भी उन्होंने की थी। डॉ गोधा को राष्ट्रीय सम्मान मिलने की घोषणा पर आयुक्त शिक्षा भोपाल,उप सचिव शिक्षा भोपाल, सहित अनेक शुभचिंतकों ने बधाई दी है। डॉ गोधा ने रानी दुर्गावती विश्विद्यालय जबलपुर से इतिहास विषय से पीएचडी , एम ए इतिहास और विक्रम विश्विद्यालय उज्जैन से एल एल बी की परीक्षा उत्तीर्ण कर रखी है। आपने आकाशवाणी जबलपुर में युववाणी कार्यक्रम में भी अपनी सेवाएं दी है। मध्यप्रदेश के दमोह से माधव पटेल का भी चयन इस पुरस्कार के लिये हुआ है जिन्हें भी इस दिन राष्ट्रपति जी सम्मानित करेगी।

पशुपालन एवं डेयरी विभाग में भी अपार सम्भावनाएं है कॅरियर की-डॉ. मूवेबल

मंदसौर, 31 अगस्त गुरु एक्सप्रेस। पशु चिकित्सा के क्षेत्र में यानी पशुपालन एवं डेयरी विभाग में कॅरियर की अपार सम्भावनाएं है। पशु चिकित्सा के क्षेत्र में भी छात्र अपना कॅरियर संवार सकते है। इस क्षेत्र में भी रोजगार की अपार सम्भावनाएं है।

यह बात पशुपालन एवं डेयरी विभाग मंदसौर के विकासखण्ड पशु चिकित्सा अधिकारी डॉक्टर मोहन मूवेबल ने कहीं। वे यहां शासकीय हाईस्कूल पानपुर में कॅरियर सेमिनार में छात्र-छात्राओं को संबोधित कर रहे थे।

आपने ग्रामीण क्षेत्रों में जो पशु पाले जाते हैं उनकी देखभाल व सुरक्षा के बारे में भी विस्तार से बताया। साथ ही शासन की विभिन्न योजनाओं जिससे ग्रामीणजन कैसे लाभान्वित हो सकते हैं के बारे में भी जानकारी दी। छात्रों की जिज्ञासा पर आपने आचार्य विद्यासागर संवर्धन योजना में कुल लागत 425000 की सहायता बैंक लोन एवं सब्सिडी के बारे में समझाईश दी। साथ ही मुर्रा पाडा प्रदाय योजना में 62000 में 80 प्रतिशत अनुदान व 20 प्रतिशत अंशदान को समझाया। कडकनाथ योजना, बकरी पालन योजना सहित केंद्र शासन की योजना राष्ट्रीय गोकुल मिशन, पशुधन मिशन, पशुपालन विकास निधि, पशुधन बीमा योजना के बारे में भी जानकारी दी। प्राचार्य एस के त्यागी ने छात्रों एवं अभिभावकों से शासन की प्शुपालन योजनाओं का अधिक से अधिक लाभ लेने का आव्हान किया। श्री त्यागी ने पशुपालन विभाग के टोल फ्री नम्बर 1962 के बारे में जानकारी देते हुए बताया कि पशुओं में होने वाली मौसमी बीमारियों एवं अन्य सहायता के लिए इस नम्बर का उपयोग किया जा सकता है। इस अवसर पर सीमा पाटीदार, सरस्वती परमार, विजय बोहरा, हकीमुदीन कापडिया सहित छात्र-छात्राएं एवं गणमान्यजन उपस्थित थे। संचालन वरिष्ठ शिक्षक नवलराम माली ने किया एवं आभार गायत्री पाटीदार ने माना। यह जानकारी पत्रकार धर्मेन्द्रसिंह रानेरा ने दी।

नंद उत्सव धूमधाम से मनाया

नीमच, 31 अगस्त गुरु एक्सप्रेस। नृसिंह मंदिर महिला मण्डल के तत्वावधान में 31 अगस्त शनिवार को दोप. 3 बजे से नृसिंह मंदिर, घण्टाघर के पास नंद उत्सव धूमधाम से मनाया गया। उक्त जानकारी देते हुए अंजु शर्मा एव आरती गर्ग ने बताया कि इस अवसर पर बालगोपाल भगवान श्रीकृष्ण को सुन्दर पालने में झुलाकर भगवान श्रीकृष्ण के जन्म की बधाईयां बांटी गई। भजन-कीर्तन और राधा कृष्ण पर सुन्दर-सुदर नृत्य प्रस्तुत किये गये एवं आरती कर प्रसाद वितरण किया गया। इस अवसर पर अंजू शर्मा, आरती गर्ग, कल्पना शर्मा, ममता धनेटवाल, डिंपल गोयल, सीमा अग्रवाल, अनिता सोनी, पदमिनी सोनी, अक्षिता खंडेलवाल, राखी बंसल, मधु सिंहल, सुनीता सोनी, रतन मित्तल, हेमा सोनी, रश्मि सोनी, दीप्ति गर्ग सहित बडी संख्या में महिलाएं उपस्थित थी।

हमें भगवान की लीलाओं का चिंतन करना चाहिए-स्वामी सरस्वती

मंदसौर, 31 अगस्त गुरु एक्सप्रेस। श्री केशव सत्संग भवन खानपुरा मंदसौर पर दिव्य चातुर्मास पूज्यपाद 1008 स्वामी आनन्द स्वरूपानंदजी सरस्वती ऋषिकेश के सानिध्य में चल रहा है। स्वामी जी द्वारा प्रतिदिन प्रात: 8.30 से 10 बजे तक श्रीमद् भागवद् महापुराण के एकादश स्कन्द का का वाचन किया जा रहा है।

शनिवार को धर्मसभा में स्वामी श्री आनन्द स्वरूपानंदजी सरस्वती ने भगवान के दिव्य स्वरूप का वर्णन करते हुए बताया कि भगवान का स्वरूप बहुत दिव्य है और बहुत पवित्र है हमें भगवान के दिव्य स्वरूप का दर्शन कर चिंतन अवश्य करना चाहिए। चिंतन के बाद अपने इष्टदेव को अपने मन में विराजित करे और उनकी उपासना करें इससे मन स्थिर होगा और प्रभु भक्ति में लगेगा। आपने कहा कि हमें भगवान की भक्ति का नशा होना चाहिए हम सांसरिक नशे में उलझे है लेकिन हमें भगवान का नशा होना चाहिए। आपने बताया कि भगवान अपने भक्तों के साथ लिलाएं करते थे हमें शास्त्रों में वर्णित उन लिलाओं का ध्यान करना चाहिए चिंतन करना चाहिए इससे हम भगवान की शक्तिओं उनकी भक्ति को समझ पायेंगे। भगवान की लीलाओं का चिंतन करने से मन में स्थिरता आती है और मन इधर उधर नहीं भटकता है। आपने कहा कि यदि हमे भगवान का चिंतन करेंगे तो संसार की वासना दुर्बल हो जायेंगी और भागवत कृपा का मार्ग प्रबल हो जायेगा। कार्यक्रम के अंत में भगवान की आरती उतारी गई एवं प्रसाद वितरित किया गया। इस अवसर पर ट्रस्ट के अध्यक्ष जगदीशचंद्र सेठिया, सचिव कारूलाल सोनी, प्रहलाद काबरा, आर सी पाण्डेय, मदनलाल गेहलोत, पं शंकरलाल त्रिवेदी, जगदीश गर्ग, आर सी पंवार, पं शिवनारायण शर्मा, नीलमचंद भावसार, घनश्याम भावसार, राधेश्याम गर्ग, महेश गेहलोद, भगवतीलाल पिलौदिया सहित बडी संख्या में महिलाएं पुरूष उपस्थित थे।

❊❊❊ खुशियों की दास्तां ❊❊❊

मल्चिंग खेती कर किसान पुष्कर की बढ़ी आय

नीमच, 31 अगस्त गुरु एक्सप्रेस। नीमच जिले मुख्यालय के समीप ग्राम भरभडीया के किसान पुष्किर पिता शंभुलाल पाटीदार , ने उद्यानिकी विभाग की संरक्षित खेती योजना के तहत मल्चिग से खेती कर, अपनी कृषि आय को तीन से चार गुना बढा लिया है। किसान पुष्कर ने वर्ष 2022-23 में उद्यानिकी मिशन अन्तर्गत प्लास्टिक मल्चिंग के लिए लाभ लिया और 0.500 हेक्टयेर में मल्चिंग खेती करना प्रारम्भ किया। इससे उसकी आमदनी काफी बढ गई है। पुष्कर स्वयं के खेत में मल्चिंग खेती कर, 1.20 लाख का वाषिक मुनाफा प्राप्त कर रहा है। किसान पुष्कर का कहना है, कि यह शासन की बहुत अच्छी योजना है। सभी किसानों को इस योजना का लाभ उठाकर खेती को लाभ का धन्धा बनाना चाहिए किसान म.प्र. सरकार एवं उद्यानिकी विभाग को योजना का लाभ मिलने पर धन्यवाद देते हुए आभार जता रहा है।

दिनांक 01 सितम्बर 2024
अपनी कुण्डली स्वयं देखे-
ज्योतिषाचार्य पंडित यशवंत जोशी के साथ
पति पत्नी में मनमुटाव चलते रहना...

❊ यदि जन्मकुंडली के सप्तम भाव में क्रूर या पाप ग्रह(सूर्य,केतु मंगल, राहु) स्थित हो तो पति-पत्नी दोनों की क्रूरता, क्रोध, स्वाभिमान या एक दूसरे के प्रति ईमानदारी की कमी के कारण रिश्तो में खराबी देखी जाती है।इसका सटीक उपाय करने के बाद ही विवाह करना उचित है।
जय दुर्गा ज्योतिष सेवा संस्थान एवं अनुष्ठान केंद्र मंदसौर
7024667840,8085381720

किशोर म्यूजिकल एकेडमी द्वारा प्रथम वर्ष का महाअनुगूंज कार्यक्रम संपन्न

मंदसौर, 31 अगस्त गुरु एक्सप्रेस। कल मंदसौर शहर में चंद्रपुरा स्थित गुजराती लोहार धर्मशाला में किशोर म्यूजिक अकादमी द्वारा भव्य महाअनुगूंज कार्यक्रम संपन्न हुआ।कार्यक्रम का शुभारम्भ मुख्य अतिथियों द्वारा माँ सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण कर किया गया।इस कार्यक्रम में राजस्थान, रतलाम,नीमच और कई दूर-दूर से आए प्रतिभागियों को मंच मिला।और सभी ने एक एक करके संगीत के अनुसार प्रस्तुतियाँ दी।मंचासीन मुख्य अतिथि के रूप विधायक विपिन जैन का स्वागत व सम्मान माला पहनाकर अभिन्दन पत्र भेंट कर किशोर म्यूजिकल अकेडमी के संस्थापक मनोज राज(गुरु) द्वारा किया गया।साथ ही किशोर म्यूजिकल अकेडमी के अध्यक्ष अनिल बेधडक,उपाध्यक्ष सोनम राठौर द्वारा भी पार्षद प्रतिनिधि शैलेन्द्र गिरी गोस्वामी व समाजसेवी नाहरू भाई मेव का पुष्पहार से स्वागत किया गया।इसके पश्चात प्रतिभागियों व उनके सहयोग की बात को लेकर जो भी आवश्यकता हेतु सहयोग रहा मै उसके लिए उचित कार्य करूंगा। यह बात

मंचासीन मुख्य अतिथि के रूप विधायक विपिन जैन द्वारा कही गयी।साथ ही समाजसेवी नाहरू भाई मेव व नपा वार्ड 26 पार्षद प्रतिनिधि शैलेंद्र गिरी गोस्वामी ने भी इस कार्यक्रम मे उपस्थित छात्रों व सभी जनों को उदबोधित किया।इसकेबाद किशोर म्यूजिकल अकेडमी के संगीत से जुडे प्रतिभागियों की प्रस्तुति के बाद मंदसौर विधायक विपिन जैन,समाजसेवी नाहरू भाई मेव, नपा वार्ड 26 पार्षद प्रतिनिधि शैलेन्द्र गिरी गोस्वामी,दैनिक सिंघम टाइम्स जिला ब्यूरो व राष्ट्रीय पत्रकार मोर्चा भारत जिलाध्यक्ष पत्रकार सोनू गुप्ता,प्रहलाद पंवार, ओमप्रकाश लोहार के आतिथ्य मे दूर-दूर से आए किशोर म्यूजिकल अकेडमी के संगीत से जुडे प्रतिभागियों को शील्ड व प्रमाण पत्र देकर पुरुस्कृत किया गया। संचालन नरेंद्र त्रिवेदी द्वारा किया गया।यह जानकारी किशोर म्यूजिकल अकैडमी की उपाध्यक्ष सोनम राठौर द्वारा बताई गई और कहा गया यह कार्यक्रम सभी लोगों मेहनत की वजह से सफल हुआ। भविष्य में भी ऐसा ही कार्यक्रम हो!और संगीत से जुडे प्रतिभागियों को मंच मिलता रहे!इस कार्यक्रम मे श्रोता के रूप मे चंद्रशेखर नागदा,नरेंद्र सागोरे,हेमंत कच्छावा,डीजे सिंह,अर्पित सेन, कैलाश सूर्यवंशी, संजय भारती उपस्थित रहे।

एक पेड़ मां के नाम तहत पौधारोपण किया

मंदसौर, 31 अगस्त गुरु एक्सप्रेस। जिले के ग्राम बुनियाखेडी के आंगनबाडी केंद्र पर पोषण माह अंतर्गत एक पेड मां के नाम कार्यक्रम के तहत पौधरोपण किया गया। इस अवसर पर जिला सहायक संचालक महिला एवं बाल विकास श्रीपीसी चौहान, सरपंच श्रीमती प्रेम देवी गुर्जर, जिला समन्वयक श्रीमती ममता खींची ,आंगनवाडी पर्यवेक्षक श्रीमती उर्मिला पांडे एवं शिक्षा विभाग से शिक्षिका श्रीमती गायत्री जैन, श्रीमती अनीता राठौर, श्रीमती मंजू तोमर आदि उपस्थित थे। इन सभी की उपस्थिति में एक पेड़ मां के नाम कार्यक्रम के अंतर्गत आंगनबाडी केंद्र पर पौधे लगाए गए। आंगनबाडी केंद्र के समस्त हितग्राहियों एवं प्रतिभागियों की उपस्थिति में इस कार्यक्रम के महत्व को बताया गया साथ ही पोषण एवं पर्यावरण पर चर्चा की गई। कार्यक्रम के अंतर्गत भारत सरकार द्वारा वेबकास्ट के माध्यम से भारत सरकार का सीधा संदेश यूट्यूब के द्वारा से सभी को सुनाया गया। कार्यक्रम के अंत में सभी को एक पेड मां के नाम कार्यक्रम के तहत लगाए गए पौधों के संरक्षण की शपथ दिलवाई गई।

द्वरिद तो वो इंसान है जो गरीबों के हक को छीन कर धनवान बनता हो-पं. नारायणजी

मंदसौर, 31 अगस्त गुरु एक्सप्रेस। भगवान श्री सांवलिया सेठ की असीम कृपा से ग्राम सिंदपन तहसील मल्हारगढ, जिला मन्दसौर के समस्त ग्रामवासियों, क्षेत्रवासियों के द्वारा सांवरा माता मंदिर पर श्रीमद भागवत कथा का आयोजन किया गया। श्रीमद भागवत कथा के सातवे दिवस में श्री हनुमन्त भागवत कर्मकाण्ड परिषद के संस्थापक श्री महाकाल भैरव अखाडा संघ, राष्ट्रीय संरक्षक भागवताचार्य पं. श्री मुकेश शर्मा नारायणजी मन्दसौर वाले ने कहा कि कोई भी गरीब इंसान अपनी गरीबी से कभी दरिद्र नहीं कहलाता है। गरीब तो अपने जीवन में और अधिक से अधिक अनन्त संख्या में अपने भगवान को याद करता है यह चरितार्थ पूर्ण गलत है कि जो गरीब है वह दरिद्र है गरीब किसी भी हालत में दरिद्र की परिभाषा नहीं बनता है।

विधायक, कलेक्टर एवं एसपी ने भादवा माता में....

नवरात्रि मेला तैयारियों का जायजा लिया

श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए बेहतर इंतजाम सुनिश्चित करने के दिए निर्देश, मंदिर संस्थान समिति की बैठक संपन्न

नीमच, 31 अगस्त गुरु एक्सप्रेस। विधायक श्री दिलीप सिंह परिहार कलेक्टर श्री हिमांशु चंद्रा, पुलिस अधीक्षक श्री अंकित जायसवाल ने भादवामाता के श्रद्धा भवन में शुक्रवार की शाम को आयोजित संस्थान समिति की बैठक में मालवा की वैष्णो देवी महामाया मां भादवा माता जी में 3 अक्टूबर से आगामी नवरात्रि में आयोजित होने वाले नवरात्रि मेले में श्रद्धालुओं की सुविधाओं के लिए आवश्यक इंतजाम करने और श्रद्धालुओं को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए विस्तार से चर्चा की गई।

बैठक में विधायक कलेक्टर एवं एसपी ने भादवा माता में 26 करोड की लागत से चल रहे हैं मास्टर प्लान कार्यों विभिन्न निर्माण कार्यो का पावर प्रजेंटेशन के माध्यम से प्रगति का जायजा लिया और सभी निर्माण कार्यों को तेजी से पूर्ण करवाने के निर्देश दिए. विधायक श्री परिहार ने एसडीएम से कहा कि भादवा माता मंदिर के समीप पवित्र बावडी एवं हवन मंडप का कार्य नवरात्रि से पूर्व पूर्ण करवाने का प्रयास करें। उन्होंने कहा कि भादवा माता की पेयजल समस्या के समाधान के लिए गांधी सागर से हर घर नल से जल योजना में भादवामाता को जोडा गया है ,इससे भादवामाता की पेयजल समस्या का स्थाई समाधान हो जाएगा। बैठक में भादवामाता मेले में आने वाले श्रद्धालुओं के वाहन की पार्किंग की व्यवस्था, अस्थाई बस स्टैंड निर्माण ,मंदिर में दर्शन के लिए सुगम आवागमन की व्यवस्था, सुरक्षा व्यवस्था के संबंध में भी विस्तार से चर्चा कर निर्णय लिए गए। समिति सदस्यों ने भादवा माता मेला परिसर में स्थित प्राथमिक एवं माध्यमिक शाला को विद्यार्थियों की सुविधा के लिए अन्यत्र शिफ्ट करने के लिए भूमि आवंटन करने का अनुरोध भी कलेक्टर से किया। बैठक में बताया गया कि भादवा माता में स्वास्थ्य केंद्र निर्माण और विद्यालय निर्माण का कार्य मुख्यमंत्री

जी की घोषणा में शामिल है।कलेक्टर ने स्वास्थ्य केंद्र निर्माण एवं स्कूल भवन निर्माण के लिए प्रथक से जमीन चयनित कर आवंटन के प्रस्ताव भिजवाने के निर्देश दिए। बैठक में एसडीम डॉ. ममता खेडे ,मंदिर के सीईओ श्री डॉ. राजेश पाटीदार सहायक संचालक जनसंपर्क श्री जगदीश मालवीय कार्यपालन यंत्री लोक निर्माण श्री महेंद्र सिंह चौहान भादवा माता सावन के सरपंचगण, समिति सदस्य श्री हेमंत हरित श्री अर्जुन सिंह, सांसद प्रतिनिधि श्री महेश गुर्जर, श्री प्रहलाद राय गर्ग प्रबंधक श्री अजय एरन, तहसीलदार श्री प्रेम शंकर पटेल नायब तहसीलदार सुश्री कविता कडेला संस्थान समिति के सदस्य गण, भी उपस्थित थे। प्रारंभ में कलेक्टर श्री चंद्रा एवं एसपी श्री जायसवाल ने महामाया मां भादवा माता जी के दर्शन किए और और पवित्र बावडी के निर्माण कार्य का अवलोकन भी किया कलेक्टर एसपी ने भादवा माता मंदिर मैं दर्शन के लिए बडी संख्या में आने वाले श्रद्धालुओं के लिए मंदिर के सामने पाथवे निर्माण कार्य की जानकारी भी ली। विधायकश्री परिहार ने भादवा माता में बडी संख्यामें आनेवाले श्रद्धालु औ की सुविधा के लिए भादवा माता पहुंचने वाले सभी प्रमुख मार्गो पर पार्किंग के लिए जमीन चिन्हित कर पार्किंग विकसित करने का सुझाव भी दिया।

संजीत की आजाद मत्स्य उद्योग संस्था से हो रहा भेदभाव

नही दी जाती रही मछली आखेट की अनुमति, किसान नेता जोकचन्द के साथ कलेक्टर कार्यालय में किया प्रदर्शन, तहसीलदार को सौंपा ज्ञापन

पिपलियामंडी, 31 अगस्त गुरु एक्सप्रेस। मछुआरों से भेदभाव कर मछली आखेट नही करने देने के विरोध में किसान नेता श्यामलाल जोकचन्द के साथ कलेक्ट्रेट कार्यालय में प्रदर्शन हुआ। शनिवार को नारेबाजी के रैली के रुप में मछुआरे कलेक्ट्रेट पहुंचे, यहां कलेक्टर के नाम तहसीलदार को ज्ञापन सौंपकर मछली आखेटी की अनुमति प्रदान करने की मांग की व संजीत मत्स्य संघ के साथ हो रहे भेदभाव पर न्याय की मांग की। आजाद मत्स्य संस्था संजीत की ओर से किसान नेता जोकचन्द ने सौंपे ज्ञापन में बताया कि गांधीसागर जलाशय से समस्त सोसायटी को मछली आखेट की परमिशन दे दी गई है, लेकिन संजीत की आजाद मत्स्य उद्योग सहकारी मार्यादित संस्था के साथ पुलिस वेरीफिकेशन भेदभाव हो रहा है, हमारी संस्था को अभी तक मछली आखेट की परमिशन नही दी गई है। एसे में गरीब, मजदूरों के भूखे मरने की नौबत आ गई है। जोकचन्द ने यह भी मांग की कि मछुआरों का बीमा भी किया जाए, नाव व जाल देने की व उनकी सुरक्षा की भी व्यवस्था प्रशासन करे। साथ ही पहले जहां मछली कचहरी पाईट पर तोली जाती थी, वहीं पर मछली तोलने की अनुमति दी जाए। इस अवसर पर कृषि उपज मंडी के पूर्व अध्यक्ष कमलेश पटेल, रीछा के पूर्व सरपंच धर्मेन्द्र धनगर, बरखेडापंथ के पूर्व सरपंच दिनेश कारपेंटर, काचरिया चन्द्रावत के पूर्व सरपंच श्यामलाल लकुम, मानसिंह चोहान, अनुपम राठौर, सादि, भूरा, जहिर, रफीक, असलम, अकरम, शाहरुख सहित बडी संख्या में मछुआरे उपस्थित रहे।

कैबिनेट मंत्री दर्जा प्राप्त मछुआ कल्याण बोर्ड अध्यक्ष बाथम ने भानपुरा में पौधारोपण किया

मंदसौर, 31 अगस्त गुरु एक्सप्रेस। कैबिनेट मंत्री दर्जा प्राप्त और मछुआ कल्याण बोर्ड के अध्यक्ष श्री सीताराम बाथम ने भानपुरा में एक पेड मां के नाम अभियान अंतर्गत पौधा रोपण किया गया। इस दौरान उन्होंने सरकारी अस्पताल भानपुरा की व्यवस्था को जायजा लिया और ब्लड प्रेशर भी चेक करवाया। इस दौरान अधिकारी एवं स्थानीय जनप्रतिनिधि उपस्थित थे।

100 टन क्षमता के आधे गोदाम में 2002 से पड़ा है अमानक रासायनिक खाद

मंदसौर, 31 अगस्त गुरु एक्सप्रेस। मन्दसौर जिले की कचनारा प्लेग ग्रामीण साख सहकारी संस्था की ग्राम आक्या उमाहेडा के 100 टन क्षमता के गोदाम में वर्ष 2002 से करीब आधा गोदाम अमानक रासायनिक खाद भरा पडा है।

उक्त आशय का एक पत्र पूर्व विधायक व बीजेपी के प्रदेश प्रवक्ता श्री यशपालसिंह सिसोदिया ने श्रीमती अदिति गर्ग कलेक्टर एव प्रशासक जिला केंद्रीय सहकारी बेक मंदसौर को लिखा है। पत्र में लिखा है कि गोदाम के आधे हिस्से में आज भी किसानों के लिए खाद बीज के लिए उपयोग में आ रहा है जबकि आधे हिस्से में जप्त किये हुआ खाद रखा हुआ है। पत्र में श्री सिसोदिया ने लिखा है कि अमानक रासायनिक खाद का डिस्पोजल किसान हित मे किया जाना उचित होगा। पत्र में लिखा है कि अद्यतन स्थिति का परीक्षण करते हुए नकली खाद का डिस्पोजल करवाते हुए पूर्ण भंडारण क्षमता के गोदाम को मूर्तरूप दिये जाने का आदेश प्रदान करे।

दशपुर रंगमंच ने प्रसिद्ध गीतकार शैलेन्द्र का जन्मदिन उनके लिखे गीतों को गाकर मनाया

मंदसौर, 31 अगस्त गुरु एक्सप्रेस। प्रसिद्ध गीतकार शैलेन्द्रजी का 101वां जन्मदिन दशपुर रंगमंच द्वारा उनके लिखे हुए गीतों को गाकर मनाया।

कार्यक्रम की शुरूआत स्वाति रिछावरा ने शैलेन्द्रजी के लिखे प्रसिद्ध गीत आज फिर जीने की तमन्ना है सेकी।अभय मेहता ने टूटे हुए ख्वाबों ने हमको ये सिखाया है सुनाकर संध्या को सुरमयी किया। आबिद भाई ने गीत याद न जाये बीते दिनों की सुनाया। सतीश सोनी ने गाया आगे पीछे हमारी सरकार । मुम्बई से आये गायक दिव्यांश वर्मा ने गीत दिन ढल जाये हाय रात न जाये को सुंदर रूप से प्रस्तुत किया। श्याम गुप्ता ने खोया-खोया चांद की अच्छी प्रस्तुति दी। हिमांशु वर्मा ने प्यार हुआ इकरार हुआ है को सुनाया। गीत संगीत की इस महफिल को राजा भैय्या ने सुहाना सफर और ये मोसम हंसी सुनाकर आगे बढाया। सिमरन बेलानी ने गीत ये राते ये मौसम ये नदी का किनारा सुनाया। आरक्षक नरेन्द्र सागोरे ने गीत किसी की मुस्कराहटों पे हो निसार सुनाया। वहीं मनीष रिछावरा व ऋति चौधरी ने गीत अजीत दास्ता है को प्रस्तुत किया। वरिष्ठ कवि व साहित्यकार ललित बटवाल ने शैलेन्द्रजी के जीवन के बारे में जानकारी प्रस्तुत की। संचालन अभय मेहता ने किया व आभार ललिता मेहता ने माना।

मंदसौर मंडी भाव

उपज	आवक बोरी में	न्यूनतम	अधिकतम
मक्का	26	2594	2694
उडद	2	2800	2800
सोयाबीन	4100	4250	4900
गैहु	3541	2500	3250
चना	105	6405	7351
मसुर	150	4800	5900
धनिया	380	4825	6400
लहसुन	12400	11000	24501
मैथी	425	4650	5540
अलसी	690	5571	6061
सरसो	377	5300	5647
तारामीरा	0000	0000	0000
इसबगोल	77	9500	12030
प्याज	1105	1281	3528
कलोंजी	11	5501	13650
डॉलर	22	10000	13600
तिल्ली	83	9500	12031
मटरसुखी	3	6600	7200
असालीया	4	10661	10700

मंदसौर और नीमच जिलों के विकास में चुनौतियां...

ऐतिहासिक और भौगोलिक दृष्टिकोण

मंदसौर, 31 अगस्त गुरु एक्सप्रेस। मंदसौर और नीमच जिलों का विकास हमेशा से ही चुनौतियों से भरा रहा है। ऐतिहासिक और भौगोलिक दृष्टिकोण से इन जिलों के साथ हुए अन्याय और विकास में आ रही बाधाओं का उल्लेख करते हुए, वर्तमान में रतलाम को संभाग बनाने के प्रस्ताव ने एक बार फिर चिंता की लहर पैदा कर दी है।

नेमीचंद राठौर

ऐतिहासिक परिप्रेक्ष्य और मंदसौर के साथ अन्याय– मंदसौर जिले का इतिहास स्पष्ट रूप से दिखाता है कि इस क्षेत्र के साथ निरंतर अनदेखी और विभाजन की साजिशें होती रही हैं। 1998 में, जब पटवा सरकार के दौरान नीमच को एक नया जिला बनाया गया, तब मंदसौर जिले का एक बड़ा हिस्सा नीमच के रूप में अलग कर दिया गया। यह कदम मंदसौर के विकास के लिए एक बड़ा झटका था, जिससे यह क्षेत्र बुरी तरह प्रभावित हुआ। इसके बाद गरोठ को भी एक अलग जिला बनाने की मांग उठी, लेकिन मीडिया के भारी संघर्ष और विरोध के बाद इसे मंदसौर जिले में बनाए रखा गया। मंदसौर जिले को संभाग बनाने की मांग पिछले कई वर्षों से उठती रही है, लेकिन इसे कभी भी गंभीरता से नहीं लिया गया। मंदसौर के नेताओं और प्रशासनिक अधिकारियों की निष्क्रियता और अनिच्छा ने जिले के हितों को कई बार नुकसान पहुँचाया है। यह स्पष्ट है कि यदि समय रहते सही कदम नहीं उठाए गए, तो मंदसौर जिले का भविष्य अनिश्चित हो सकता है।

रतलाम को संभाग बनाने का प्रस्ताव और मंदसौर पर प्रभाव–हाल ही में रतलाम को संभाग बनाने का प्रस्ताव सामने आया है, जिसने मंदसौर के लिए नई चुनौतियाँ खड़ी कर दी हैं। रतलाम, इंदौर के निकट होने के कारण और एक बड़े रेलवे जंक्शन के रूप में अपनी सुविधा और प्रभाव के कारण संभाग का दर्जा प्राप्त करने की ओर अग्रसर है। इस निर्णय का मंदसौर जिले के विकास पर गहरा प्रभाव पड़ सकता है। संभागीय केंद्र रतलाम बनने से मंदसौर के निवासियों को प्रशासनिक कार्यों के लिए अधिक दूरी तय करनी पड़ेगी। इससे न केवल समय और संसाधनों की बर्बादी होगी, बल्कि जिले के विकास में भी बाधा उत्पन्न होगी। यह प्रस्ताव मंदसौर के हितों के खिलाफ है और इससे जिले के भविष्य पर गंभीर प्रश्नचिह्न लग जाते हैं।

संघर्ष की आवश्यकता: मंदसौर के अधिकारों की रक्षा–मंदसौर जिले के नागरिकों और समाजसेवियों के सामने एक बार फिर संघर्ष का समय आ गया है। यदि इस बार भी मंदसौर के हितों की अनदेखी की गई, तो यह जिला विकास की दौड़ में और पीछे छूट जाएगा। यह जरूरी है कि मंदसौर के सभी नागरिक, सामाजिक संगठन, मीडिया और राजनीतिक दल मिलकर इस अन्याय के खिलाफ खड़े हों और रतलाम के बजाय मंदसौर को संभाग का दर्जा दिलाने के लिए संघर्ष करें।

अन्याय के खिलाफ आवाज उठाएं–मंदसौर का भविष्य संभाग बनने में है, और यह उसका नैसर्गिक अधिकार है। यदि इसे रतलाम को दे दिया जाता है, तो मंदसौर के विकास और भविष्य पर गंभीर सवाल खड़े हो जाएंगे। यह समय है कि सभी मिलकर इस अन्याय के खिलाफ आवाज उठाएं और अपने जिले के अधिकारों की रक्षा करें। मंदसौर के साथ कोई और छलावा नहीं होने दिया जाएगा। मंदसौर और उसके नागरिकों को एकजुट होकर अपने अधिकारों की लड़ाई लड़नी होगी, ताकि आने वाली पीढ़ियाँ इस संघर्ष के फलस्वरूप एक उज्ज्वल भविष्य की ओर बढ़ सकें।

सरकारी भूमि को मिलीभगत कर बना दिया आम रास्ता, लोकायुक्त ने तहसीलदार पर किया प्रकरण दर्ज

निजी जमीन की कीमत बढ़ाने के लिए नाले की जमीन को बनाया अपनी, तहसीलदार ने एक ही दिन में दो आदेश किए थे पारित

नीमच 31 अगस्त गुरु एक्सप्रेस। नीमच के तत्कालिन और वर्तमान में सीतामऊतहसीलदार ने मिलीभगत कर नीमच में सरकारी जमीन को आम रास्ता बता दिया। जबकि, सरकारी जमीन पर कब्जा करने वाले व्यक्ति ने अपने निजी हित के लिए यानी नाले की जमीन के पास स्थित अपनी निजी जमीन की कीमत बढ़ाने के लिए नाले की जमीन को अपनी जमीन में मिला लिया। इसकी शिकायत हुई तो तहसीलदार ने जांच कर माना कि सरकारी जमीन पर कब्जा है। इस पर जूर्माना लगाते हुए सरकारी जमीन से बेदखली का आदेश दिया। लेकिन, इसी दिन तहसीलदार ने एक और आदेश पारित कर दिया। जिसमें उन्होंने नाले की जमीन को सरकारी के बजाय आम रास्ता बता दिया। पूरे मामले में लोकायुक्त ने जांच के बाद दोषी तहसीलदार और जमीन पर कब्जा करने वाले व्यक्ति समेत एक अन्य व्यक्ति के खिलाफ प्रकरण दर्ज किया।

लोकायुक्त उज्जैन ने बताया कि अनिल विश्वकर्मा पुलिस अधीक्षक, विपुस्था, लोकायुक्त कार्यालय उज्जैन संभाग उज्जैन को शिकायत मिली थी कि नीमच सिटी में स्थित श्री रामजी अवतार मंदिर के पटवारी हल्का. सर्वे. नं 1420, 1421, 1422, 1423, 2584, 2603, 2604, 2605, 2619, 2620 की करीब 8.663 हैक्टे. भूमि स्थित है। इस भूमि के प्रबंधक कलेक्टर नीमच है। उक्त मंदिर के आसपास डॉ. रमेश दक की भूमि भी लगी हुई है। मंदिर की करीब एक बीघा जमीन पर डॉ. रमेश दक ने खुद की जमीन के भाव बढ़ाने के लिये मंदिर की जमीन पर कब्जा करते हुए रास्ता बना लिया है। इस पूरे मामले में तहसीलदार ने मिलीभगत की और एक ही दिनांक को दो आदेश जारी कर दिये। एक आदेश में अतिक्रमण माना और डॉ. रमेश दक पर 5000 रू. जुर्माना भी लगाया। उसी दिन दूसरे आदेश में डॉ. दक को क्लीन चिट देकर आम रास्ता बता दिया गया। उक्त शिकायत की जांच लोकायुक्त के पुलिस अधीक्षक अनिल विश्वकर्मा ने लोकायुक्त उप पुलिस अधीक्षक सुनील कुमार तालान से कराई तो प्रकरण की जांच पर से पाया गया कि आवेदक सुमित अहीर द्वारा नीमच महू रोड स्थित खसरा नं 2576, 2577, 2578, 2579, 2573, 2574, 2575 जो कि नीमच निवासी रेखा दक पति रमेश दक एवं रमेश दक पिता बसंतीलाल दक द्वारा नाले की जमीन को अपनी जमीन में मिलाने की शिकायत कलेक्टर जिला नीमच को प्रस्तुत की थी। उक्त शिकायत की जांच तहसीलदार तहसील नीमच द्वारा संपादित की गयी।

प्रकरण में आरोपी तहसीलदार मनोहर वर्मा द्वारा स्थल निरीक्षण कर दिनांक 27 मार्च 2023 को पटवारी मौजा से रिपोर्ट प्राप्त कर तहसीलदार ने पटवारी रिपोर्ट के पंचनामा के अवलोकन उपरांत म.प्र. भू राजस्व संहिता 1959 की धारा 248 के तहत मंदिर श्री रामावतार पर अनावेदक के विरूद्ध अर्थदण्ड राशि 5000 रुपऐ आरोपित करते हुए अतिक्रमण हटाने का बेदखली आदेश जारी किया तथा शिकायतकर्ता द्वारा वर्णित बंद रास्ता खुलवाये जाने का भी लेख किया। पुनः प्रकरण में इसी दिनांक 27 मार्च 2023 को ही आदेश में अंतिम पैरा में संशोधन करते हुए लेख किया कि प्रकरण में प्रस्तुत पटवारी रिपोर्ट पंचनामा के अवलोकन उपरांत मेरे द्वारा मौका स्थल निरीक्षण किया गया। जिसमें मौके पर उपरोक्त वर्णित कृषि भूमि पर रास्ता मिट्टी का भराव भरकर व तीन फीट उंचे खंबे लगाना पाया गया है, परंतु मौके पर अनावेदक द्वारा उपस्थित कृषकों द्वारा बताया गया कि उक्त रास्ता अनावेदक का निजी रास्ता न होकर आम रास्ता होकर अन्य कृषकों के भी उपयोग का रास्ता है, और मौके पर बारिश का पानी रास्ते में भर जाने के कारण रास्ते में मिट्टी डाली गयी है। परंतु मौके पर तीन फीट खंबे अनावेदक द्वारा लगवाया जाना स्वीकार किया। जिस पर अनावेदक को आदेशित किया जाता है कि उक्त खंबों के द्वारा उक्त रास्ते की भूमि पर किया है, उसे स्वयं के खर्च से तत्काल हटाया जावें। इस प्रकार तत्कालीन तहसीलदार नीमच मनोहर वर्मा द्वारा दिनांक 27 मार्च 2023 को एक ही दिन में दो पृथक–पृथक एवं विपरीत प्रवृत्ति के आदेश किये गये। जहां एक ओर पूर्व के आदेश में अतिक्रमण मानते हुये अनावेदक डॉ. रमेश दक पर 5000 रु. अर्थदण्ड आरोपित करते हुये बेदखली का आदेश जारी किया है। वहीं उसी दिन दूसरे आदेश में अतिक्रमण न मानकर केवल खंबों को स्वयं के खर्च पर हटाने का आदेश अनावेदक डॉ. रमेश दक को दिया है। इस प्रकार तत्कालीन तहसीलदार मनोहर वर्मा द्वारा अपने पद एवं प्रास्थिति का घोर दुरूपयोग करते हुए अनावेक डॉ. रमेश दक को अवैधानिक रूप से लाभ पहुंचाया गया। जबकि अपने ही आदेश को संशोधित करने हेतु धारा 51 म.प्र. भू राजस्व संहिता के अंतर्गत तहसीलदार सक्षम नहीं थे। इस प्रकार तहसीलदार मनोहर वर्मा द्वारा अपने पद एवं प्रास्थिति का दुरूपयोग करते हुए आपराधिक षड्यंत्रपूर्वक अनावेदक डॉ. रमेश दक को अनुचित लाभ पहुंचाने की दृष्टि से शासकीय एवं मंदिर भूमि पर अतिक्रमण को अतिक्रमण न मानते हुए डॉ. रमेश दक के पक्ष में संशोधित आदेश पूर्णत: अवैध रूप से जारी किया है।

इस प्रकार लोक सेवक के रूप में अपने नियंत्रणाधीन संपत्ति का किसी अन्य व्यक्ति को बेईमानी से कपटपूर्वक दुर्विनियोग करने दिया गया है। इस प्रकार तहसीलदार श्री मनोहर वर्मा द्वारा अनावेदक निजी व्यक्ति रमेश दक के साथ मिलकर आपराधिक कृत्य किया गया है। इस आपराधिक कृत्य हेतु मनोहर वर्मा तत्कालिक, तहसीलदार नीमच वर्तमान तहसीलदार सीतामऊ जिला मंदसौर एवं डॉ. रमेश दक निवासी 21 विकास नगर, 14/03 नीमच, प्रायवेट व्यक्ति एवं अन्य के विरूद्ध भ्र.नि.अधि. 1988 संशोधन 2018 धारा 7 (ग) एवं भा.दं.सं. की धारा 120 (बी) के अंतर्गत पंजीबद्ध किया जाकर विवेचना में लिया गया।

मंदसौर की बच्चियों के लिये सांसद गुप्ता ने ट्रेन रुकवाई

मंदसौर, 31 अगस्त गुरु एक्सप्रेस। पार्षद और समाजसेवी सुनील बंसल ने बताया कि बड़ौदा में तेज बारिश में मंदसौर की बच्चियां जो पढने के लिए वहां पर हैं अत्यधिक वर्षा के कारण जहां पर जिस हॉस्टल में वह रह रही थी उसके चारों तरफ पानी भरने के कारण उन्हें छाया नगरी रेलवे स्टेशन पर वहां के स्थानीय प्रशासन ने मंदसौर आने के लिए भेजा क्योंकि बारिश की वजह से अनेक सारी ट्रेन रद्द थी एकमात्र ट्रेन एकता नगर निजामुद्दीन एक्सप्रेस जो शाम को 6 बजे लगभग वहां से चलती है। बड़ौदा स्टेशन से उसका स्टापेज छायापुरी में नहीं था इस बात की जानकारी गुड़िया के पिता श्री राजेश जोशी ने श्री बंसल बताई।

श्री बंसल ने उसी समय सांसद सुधीर गुप्ता से फोन मोबाइल पर संपर्क कर पूरी वस्तु स्थिति से अवगत कराया और उन्हें कहा कि छायापुरी बड़ौदा के बाद वाला अगला स्टेशन है उस पर अगर गाड़ी 2 मिनट के लिए भी रुकेगी तो अनेक यात्री और मंदसौर के जो बच्चियां और लोग बारिश की वजह से वहां पर हैं उसे ट्रेन में बैठकर अपने-अपने स्थान पर पहुंच सकते हैं। सांसद श्री गुप्ता ने तुरंत एक्शन लेते हुए रेलवे के अधिकारियों से चर्चा कर उस ट्रेन को छायापुरी रेलवे स्टेशन पर 2 मिनट के लिए स्टापेज करा दिया सभी को राहत मिली एवं यात्रीगण उसमें चलकर अपने-अपने स्थान तक पहुंचे। बच्चों के परिवार एवं जो मंदसौर की बिटिया और जो अनेक शहरों की बिटिया थी उन्होंने सभी ने सांसद सुधीर गुप्ता का आभार प्रदर्शित किया।

पुलिस कप्तान ने थाना नाहरगढ़ का किया वार्षिक निरीक्षण

सायंकालिन गणना में हुए शामिल, दिए दिशा निर्देश

नाहरगढ़, 31 अगस्त गुरु एक्सप्रेस। दिनांक 31.08.24 को पुलिस अधीक्षक मंदसौर अभिषेक आनंद द्वारा जिले के थाना नाहरगढ़ का वार्षिक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान श्रीमान पुलिस अधीक्षक द्वारा थाने के कर्मचारियों को सायंकालीन गणना में शामिल होते हुए टर्नआउट का निरीक्षण किया गया एवं सुधार हेतु संबंधित कर्मचारी को आवश्यक दिशा निर्देश भी दिए गए। श्रीमान पुलिस अधीक्षक द्वारा थाने के गुंडा बदमाश पर अंकुश लगाने, फरार वारंटियों की धरपकड़ करने, एवं थाना क्षेत्र के अपराधिक तत्वों पर अंकुश लगाने हेतु निर्देश दिए गए। इसके अतिरिक्त थाना क्षेत्र के नए अपराधो में संलिप्त जिला बदर आरोपियों की धरपकड़ करने एवं थाना क्षेत्र में होने वाली अप्रिय घटनाओं तथा चोरियों की वारदातों पर सख्ती से अंकुश लगाने हेतु विशेष रूप से निर्देशित किया है। इसके अतिरिक्त थानों के अपराध रजिस्टर, मालखाना बंदी गृह इत्यादि भी चेक किया। कमी पाए जाने पर संबंधित अधिकारी/कर्मचारी को सुधार हेतु निर्देशित किया गया।

बछ बारस पर महिलाओं ने किया पौधारोपण

नीमच, 31 अगस्त गुरु एक्सप्रेस। बछ बारस पर सुहागिन महिलाओं ने गौ माता की विशेष पूजा अर्चना कर सुख समृद्धि की प्रार्थना की ।महिलाओं ने अपने पुत्र की लंबी उम्र और परिवार की खुशहाली के लिए पर्व मनाया। इस दिन घरों में विशेष बाजरे व पीली मक्का की रोटी बनाकर अंकुरित अनाज की सब्जी बनाई गई साथ ही गाय का आकर्षक श्रृंगार कर विधि विधान से पूजा अर्चना की गई। महिलाओं ने बताया कि मान्यता अनुसार गाय की पूजा करने से परिवार में खुशहाली रहती है और पुत्र दीर्घायु होता है।भारतीय सनातन संस्कृति में गौ सेवा का अत्यधिक महत्व है। श्री कृष्ण ने भी स्वयं ग्वालपाल चरवाह बन गौ पालन कर संसार को गौ सेवा का संदेश दिया है। पृथ्वी पर प्रकृति में विचरण करने वाले पशु पक्षियों की रक्षा का कर्तव्य देश के प्रत्येक नागरिक का है। मनुष्य को स्वस्थ शरीर के लिए ऑक्सीजन की आवश्यकता होती है और ऑक्सीजन हमें हरे पेड़ पौधों से मिलती है इसलिए पर्यावरण संरक्षण को ध्यान में रखते हुए अधिक से अधिक संख्या में औषधि वाले पौधे भी लगाना चाहिए जिससे एक पंथ दो काज हो सकते हैं पौधों से पर्यावरण शुद्ध रहेगा और औषधि से लोगों का उपचार हो सकता है।हम पशु पक्षी जैसे मुक प्राणियों की वह सेवा करते हैं तो इसे प्रकृति का संतुलन बना रहता है और वातावरण शुद्ध रहता है। गाय के गोबर से खाद बनता है वह खाद फसलों में पौष्टिक आहार प्रदान करता है। यह बात जय गणेश परिवार की पहल जीव सेवा विकास अभियान की पावन श्रृंखला में एक पौधा मां के नाम के अभियान के पावन उपलक्ष्य में लेवडा स्थितश्री कृष्ण गोपाल गौशाला के परिसर में आयोजित पौधारोपण गौ माता पूजन कार्यक्रम में उपस्थित मातृशक्ति ने सामूहिक रूप से व्यक्त किए। उन्होंने कहा कि इसके साथ साथ पौधों को पूरे वर्ष पर्यंत सिंचाई ,खाद एवं कीटाणु लगने पर दवाई छिड़काव करने का संकल्प लिया। महिलाओं द्वारा शीघ्र ही और अन्य औषधि वाले पौधे भी लगाए जाएंगे। सनातन संस्कृति में पेड़ पौधों में भी देवी देवताओं का वास बताया गया है। इसलिए पेड़ पौधों की का पूजन भी किया जाता है।गौ माता केवल पशु नहीं यह भारतीय संस्कृति सनातन संस्कृति है इसलिए वह माता को हिंदू समाज माता कहकर बुलाता है गायों में समस्त देवी देवताओं का निवास होता है। गौ माता का संरक्षण हमारा कर्तव्य व धर्म है। एक पौधा मां के नाम पर्यावरण अभियान के पावन उपलक्ष्य में मातृशक्ति ने आंवला नीम पीपल,बड,आम सहित विभिन्न औषधियों के पोधे लगाए ओर पौधों को संतान की तरह सिंचाई कर पालन करने का संकल्प लिया।गौशाला में पहुंचकर गौ माता का आरती पूजन किया गौ माता को हरी घास गुड खिला कर आशीर्वाद ग्रहण किया इस अवसर पर जीव सेवा विकास अभियान की मातृशक्ति संयोजक श्रीमती कौशल्या काबरा के मार्गदर्शन में प्रेमलता मालू, प्रेम देवी, कृष्णा बाहेती,मंजू बाहेती, कोमल बाहेती,कला मुंदड़ा, कल्पना जैन,रेखा तोतला, वंदना मंत्री,निर्मला मंत्री,मंजू समदानी, शोभा तोतला,शिव कांता अजमेरा,तारा बाहेती,कांता अजमेरा, गीता अजमेरा, यशोदा अजमेरा, अनिता सिशोदिया, दिनेश मालवीय,सहित अन्य गौ सेवक उपस्थित थे।

चोरी का माल खरीदने वाले ...
पेज 1 से जारी

सीसीटीवी कैमरों एवं घटना के संभावित मार्गो के फुटेज का अवलोकन किया गया। जिसमें बाइक से दो बदमाश नीमच की तरफ जाते नजर आए। शिनाख्त कर आरोपी अंकित पिता मुकेश बाछड़ा निवासी चड़ौली थाना नीमचसिटी जिला नीमच एवं उसका साथी गोविंद पिता बाबुलाल बाछड़ा निवासी बरखेड़ा मोया थाना कुकडेश्वर जिला नीमच को गिरफ्तार किया गया। पूछताछ में पता चला कि इन्होंने मोहित उर्फ भाग्या पिता सुरेश बाछड़ा नि. चड़ौली, अंकित पिता सुरज बाछड़ा नि. चड़ौली, विजय पिता रायसिंह बाछड़ा नि. देपालपुर पिपलियारूण्डी थाना मनासा, जिला नीमच, रविन्द्र पिता नरेन्द्र बाछड़ा नि. देपालपुर के साथ मिलकर वारदात को अंजाम दिया था। गिरफ्तार आरोपियों से पूछताछ करने पर शेष चोरी किये गये जेवरात जावद के सुनार रवि पिता मुरलीधर सोनी एवं दीपक पिता मुरलीधर सोनी को बेचना बताया गया है इस पर दोनों चोरी का माल खरीदने वाले रवि एवं दीपक सोनी को आरोपी बनाया जाकर तलाश की जा रही है।

यहां चौकीदार ही निकला...
पेज 1 से जारी

से भरकर वहां से ले जाते थे व गोडाउन पर नया ताला लगा देते थे। जिसमे से कुछ चने आरोपियो द्वारा बेच दिये गये थे। आरोपियो की निशांदेही से 80 क्विंटल चने जब्त किये गये है। घटना में प्रयुक्त ओजार एवं एक आटोरिक्शा जप्त किया गया है। इस मामले में पुलिस ने आशीष पिता सत्यनारायण लोहार उम्र 35 निवासी बावद जिला नीमच हामु मैनपुरिया, शाकीर पिता शरीफ पठान उम्र 31 निवासी गोंदी चोक मंदसौर, दिलीप पिता चुन्नीलाल धनगर उम्र 23 निवासी चांगली, लोकेश पिता लक्ष्मीनारायण राव उम्र 29 निवासी चागली को गिरफ्तार किया है। वहीं भेरुसिंह पिता मांगुसिंह निवासी चांगली, पंकज पिता अर्जुन दमामी निवासी डिंगाव माली, लक्की बस स्टेण्ड मंदसौर (व्यापारी), सत्यनारायण सोनी निवासी डिगाव (व्यापारी), अशोक जैन डिंगाव (व्यापारी), सुन्दर जैन की तलाश की जा रही है।

पिकअप में भरकर ले गए...
पेज एक से जारी

सभी निवासी इन्द्रा कालोनी मन्दसौर को पकडा गया। चारों ने गोडाउन के पीछे की तरफ लोहे की सब्बल से छेद करके, एक पिकअप में 25 कट्टेलहसून लोड करके जीरन मण्डी में निलामी में बेच दिया। आरोपियों के कब्जे से घटना में प्रयुक्त लोहे की सब्बल, पिकअप एवं लहसून बेचने से मिले 1 लाख 36 हजार रूपये जब्त किये गये। आरोपियों द्वारा घर के पास के गोडाउन की रेकी की गई एवं आरोपी कन्हैयालाल पायक ने घटनास्थल से थोडी दूरी पर पिकअप में बैठकर घटना कारित करते समय लोगो का ध्यान रखा एवं आरोपी दशरथ भिलाला, फिदा हुसैन व रमेश भिलाला ने गोडाउन में गड्ढा किया एवं गोडाउन से लहसून निकालकर पिक-अप में लोड की थी।

उज्जैन-जावरा फोरलेन का बदल...
पेज 1 से जारी

फर्नाजी से निकालने का नक्शा तैयार किया है। एक सर्वे हो गया है, इलेक्ट्रॉनिक सर्वे चल रहा है। 15-20 दिन में सर्वे पूरा होने के बाद भूमि अधिग्रहण की कारवाई प्रारंभ हो जाएगा।

– एसके मनवानी, जनरल मैनेजर, एमपीआरडीसी

सिंहस्थ के पहले बनाना है फोरलेन–इसका सर्वे भी करा कर भोपाल विभाग ने स्वीकृति के लिए भेजा था। वहां से स्वीकृति मिलने के बाद इलेक्ट्रानिक सर्वे प्रांरभ हो गया है। लगभग 15-20 दिन में सर्वे पूरा होते ही विभाग द्वारा भूमि अधिग्रहण की कारवाई प्रारंभ कर दी जाएगी। वैसे तो 2028 के सिंहस्थ के पूर्व फोरलेन का कार्य पूरा करना है। अधिकारियों का दावा है कि इसके पूर्व ही फोरलेन का कार्य पूरा कर दिया जाएगा। यह मार्ग बनने के बाद इंदौर से राजस्थान के लिए भूतेडा से निकली सिक्सलेन तक पहुंचने के लिए भी सुविधा हो जाएगी। सूत्रों के अनुसार इलेक्ट्रानिक सर्वे पूरा होने के बाद ही स्पष्टहोगा कि फोरलेन किधर से निकलेगा। अभी भी मार्ग बदलने की संभावना से अधिकारी मना नहीं कर रहे हैं।

अग्रवाल समाज देशी पंचायत के चुनाव संपन्न, आशीष गुप्ता फिर बने अध्यक्ष

मंदसौर, 31 अगस्त गुरु एक्सप्रेस। 31 अगस्त शनिवार को अग्रवाल समाज देशी पंचायत के अध्यक्ष का चुनाव नरसिंहपुरा स्थित समाज की धर्मशाला अग्रसेन मांगलिक भवन में संपन्न हुए। अध्यक्ष पद के चुनाव हेतु मुख्य मुकाबला वर्तमान अध्यक्ष आशीष गुप्ता और पियूष गर्ग के बीच था। कशमकश भरें मुकाबलें में आशीष गुप्ता ने पियूष गर्ग को 22 मतों से हराकर विजयश्री प्राप्त की और अग्रवाल समाज देशी पंचायत के नये अध्यक्ष बनें। चुनाव को लेकर पिछले दो दिनों से समाज के अलावा नगर में चर्चा बनी हुई थी।

निर्वाचन अधिकारी एडवोकेट नवीन कोठारी ने बताया कि अग्रवाल समाज देशी पंचायत केचुनाव 31 अगस्त को संपन्न हुए चुनाव का समय सायं 5 बजे से 9 बजे तक रहा। चुनाव हेतु कुल मत 187 मतदाता थे जिसमें से 176 मत गिरे। इनमें से सभी गिरे मत वैध पायें गये। मतगणना में पियूष गर्ग को 77 मत मिलें तो वहीं आशीष गुप्ता को 99 मत मिलें। इस प्रकार आशीष गुप्ता कुल 22 मतो से विजय घोषित किये गये। चुनाव को लेकर समाजजनों में खासा उत्साह देखा गया चुनाव के समय सायं 5 बजे तेज बारिश होने लगी लेकिन बारिश भी मतदाताओं का उत्साह कम नहीं कर पाई और 5 बजे से ही मतदाताओ की कतार लगने लगी थी। नवीन अध्यक्ष का कार्यकाल आगामी दो वर्ष के लिए रहेगा। वेसे देखा जाए तो 187 मतदाता में से 176 ने अपने मताधिकार का उपयोग किया और दो मतदाता दिवंगत हो चुके थे। मतदाता सूची में दो मतदाता का नाम डबल था। और सात मतदाता मन्दसौर से बाहर थे । इस प्रकार शत प्रतिशत मतदान हुआ। विजयी आशीष गुप्ता ने कहा कि समाजजनों ने जो विश्वास मुझ पर जताया है उस पर खरा उतरने का पूरा प्रयास करूंगा। बडों के आशीर्वाद और छोटे को साथ लेकर समाज को आगे बढाया जायेगा। कई नवाचार किये जायेगे। समाजहित में कार्य करूंगा सभी समाजजनों का बहुत - बहुत धन्यवाद।

सी एण्ड डी अपशिष्ट अभियान चलाया

नारायणगढ, 31 अगस्त गुरु एक्सप्रेस। स्वच्छ भारत मिशन शहरी के अंतर्गत एवं स्वच्छ सर्वेक्षण 2024 की आगामी तैयारियों के लिए शासन एवं नगर परिषद नारायणगढ में नगर अध्यक्ष महोदय श्रीमती ममता कुँवर जी चौहान एवं मुख्य नगर पालिका अधिकारी श्री प्रमोद जी जैन के निर्देश अनुसार एक दिवसीय विशेष अभियान निकाय द्वारा चलाया जा रहा है. जिसके अंतर्गत आज दिनांक 31-8-24 को निकाय द्वारा वार्ड क्रमांक 9 मे स्थित जर्जर मकान को तोड़ा गया. साथ ही निकाय में अनाधिकृत रूप से पडे सी एण्ड डी अपशिष्टका संग्रहण किया गयों संग्रहित निर्माण एवं विध्वंश अपशिष्टको निर्माण एवं विध्वंस संग्रहण स्थल पर पृथक – पृथक खंड अनुसार कर रखा गयों विध्वंश अपशिष्टसंग्रहण अभियान अंतर्गत नालियों के बहाव में अवरोध बनाऐ हुए है या सडक पर मलबा फलाये गये है ऐसे घरों और निर्माणाधीन स्थानों पर चालानी कार्यवाही कि जा रही हैं निकाय द्वारा निर्माण एवं विध्वंस को हटाए जाने के लिए टोल प्री नंबर 07424-244639 भी जारी किया गया है.

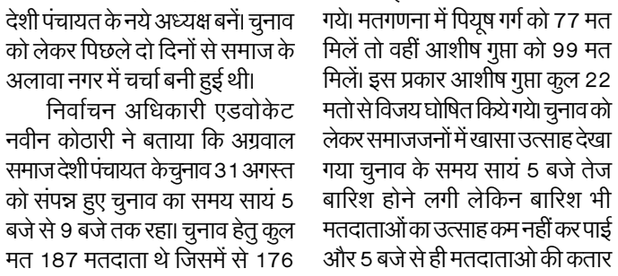

नवीन कार्यकारणी का गठन एवं वार्षिक मिलन समारोह आज

मनासा, 31 अगस्त गुरु एक्सप्रेस। नगर में व्यवसायरत समस्त हलवाई एवम होटल व्यापारी बंधुओं मनासा का वार्षिक मिलन समारोह एवं साधारण सभा का आयोजन 01/09/2024 रविवार स्थान—नीलकंठमहादेव मंदिर, बोरखेड़ी को किया जाना सुनिश्चित किया है । इसमें स्थानीय जनप्रतिनिधियों सहित अनेकमहत्वपूर्ण समाजिक संगठन प्रमुखों की उपस्थिति में व्यापार हितार्थ चर्चा का आयोजन भी होगा। साथ ही आगामी वर्षो के लिए नवीन कार्यकारणी का चुनाव भी किया जाएगा।

सेवा बैंक द्वारा वर्षाकाल में जरूरतमंदों को छाते वितरीत

मंदसौर, 31 अगस्त गुरु एक्सप्रेस। सेवा बैक गांधी चौराहा मंदसौर के द्वारा सेवा के 2490वें दिन के अवसर पर जनसहयोग से जरूरतमंदों को बारिश से बचने के लिए छतरी का वितरण किया गया। सेवा बेक के माध्यम से मंदसौर शहर में गांधी चौराहा पर प्रतिदिन जरूरतमंदों को निरंतर भोजन कराया जा रहा है इस सेवा कार्य के 2490वें दिवस संध्या के समय प्रतिवर्ष अनुसार इस वर्ष भी जरूरतमंदों को छातों का वितरण अतिथि जिला प्रेस क्लब के अध्यक्ष ब्रजेश जोशी, मंदसौर माटी न्यूज़ चैनल के संचालक विपिन चौहान गोलु के आतिथ्य में वितरित किये। इस अवसर पर मुकेश आर्य, नटवर भाई पारीक, दिलीप राठौर आदि भी उपस्थित थे। सेवा बैंक के मुख्य सेवादार सुनील बंसल ने बताया कि जरूरतमंदों के छातो के लिए श्रीमती मुक्ता विशाल गोयल की ओर से तीन हजार रू., श्रीमती नीलिमा स्व. श्री दिलीप जोशी द्वारा 2100 रू. व मनीष सोमानी राम टेकरी ने 1500 की राशि प्रदान की। उन्होंने बताया कि समिति द्वारा जन सहयोग से गर्मी के मौसम में जरूरतमंदों को चप्पल व ठंड में कंबल वितरित भी किए जाते हैं।

HAPPY BIRTHDAY HAPPY BIRTHDAY HAPPY BIRTHDAY HAPPY BIRTHDAY

वरिष्ठ समाजसेवी एवं फारेन रिटर्न (यूएई), टेलरिंग एसोसिएशन के संस्थापक, पूर्व अध्यक्ष व संरक्षक, पूर्व उपाध्यक्ष बास्केट बाल संघ व साफ्ट बाल संघ, आजाद स्पोर्टस क्लब मेम्बर (सन 1973), पूर्व उपाध्यक्ष संयुक्त कुमावत समाज, पूर्व महामंत्री अखिल भारतीय कुमावत समाज व खेल प्रेमी

श्री रामचंद्रजी कुरारिया

के 75 वें जन्म दिवस (01 सितम्बर 2024) पर

HAPPY BIRTHDAY

HAPPY Birthday

हार्दिक शुभकामनाएं

बधाईकर्ता – ✻ संरक्षक–हाजी नाहरु खा मेव व प्रेम पिपलोदिया, ✻ अध्यक्ष जगदीश गेहलोद, ✻ उपाध्यक्ष–अमित चौहान, ✻ कोषाध्यक्ष–देवेन्द्र खत्री, ✻ सचिव–चंद्रशेखर आसेरी, ✻ संगठन मंत्री–हुकमीचंद पंवार, ✻ मीडिया प्रभारी–रुपेश परमार एवं सभी सदस्यगण

✻✻ सौजन्य से ✻✻ कुरारिया स्टॉफ–शकील अंसारी, रफीक अंसारी, संतोष कुरारिया, अशोक यादव एवं मित्र मण्डल

स्वत्वाधिकारी, सम्पादक, प्रकाशक, मुद्रक आशुतोष नवाल के लिए गुरु मीड्या एण्ड इंटरटेनमेन्ट कम्पनी, शक्ति नगर मन्दसौर से मुद्रित एवं 77 लक्ष्मीनगर, वेदान्त विहार मन्दसौर से प्रकाशित। (हर प्रकार के विवाद का न्याय क्षेत्र मन्दसौर रहेगा) संपादक– आशुतोष नवाल RNI-MPHIN2006/20356
समाचार पत्र में छपे विज्ञापनों के लिए समाचार पत्र उत्तरादायी नहीं है एवं विज्ञापनो में प्रकाशित विचार विज्ञापनदाता की निजी राय है। इससे समाचार पत्र का कोई संबंध नहीं है।
फोन 495831, मो. 9425105927,28 ashugurumds@gmail.com, ashu_guru2@yahoo.co.in